संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 241
पृष्ठ 8
गुरूवार
21 मई 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- गर्मियों में दुल्हन शादी से पहले...

विचार- ईरान और इजरायल के बीच है...

खेल- कमेंटेटर्स को दी नसीहत, बोले- क्रिकेट...

देश ही नहीं 'ग्लोबल साउथ' का सबसे बड़ा एआई कंप्यूटर सेंटर बनेगा यूपी : मुख्यमंत्री

लखनऊ,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को प्रदेश के भविष्य की अर्थव्यवस्था से जुड़े तीन महत्वपूर्ण विषयों उत्तर प्रदेश डाटा सेंटर क्लस्टर (यूपीडीसीसी), प्रोजेक्ट गंगा तथा गेहूं के इन–हाउस प्रसंस्करण को बढ़ावा देने के लिए मंडी शुल्क एवं मंडी सेस में संभावित छूट जैसे महत्वपूर्ण विषयों की उच्च स्तरीय समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने यूपी डाटा सेंटर क्लस्टर (यूपीडीसीसी) की समीक्षा करते हुए कहा कि यह परियोजना उत्तर प्रदेश के एआई मिशन की बुनियादी संरचना तैयार करेगी। उन्होंने कहा कि डाटा सेंटर क्लस्टर केवल एनसीआर क्षेत्र तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि प्रदेश के अन्य हिस्सों को भी इससे जोड़ा जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि इसकी शुरुआत बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण (बीडा) क्षेत्र से की जा सकती है, जहां बड़े पैमाने पर भूमि उपलब्ध है। उन्होंने यह भी कहा कि टाटा समूह सहित बड़ी टेक कंपनियों से संवाद स्थापित कर लखनऊ को

"एआई सिटी" के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य किया जाए। बैठक में बताया गया कि उत्तर प्रदेश डाटा सेंटर क्लस्टर प्रदेश को भारत और ग्लोबल साउथ का सबसे बड़ा एआई कंप्यूट पावर सेंटर बनाने की दीर्घकालिक रणनीति है। इसका उद्देश्य उत्तर प्रदेश को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा सेंटर, क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर और हाई–टेक डिजिटल मैन्युफैक्चरिंग का वैश्विक केंद्र बनाना है। प्रस्तुतीकरण में कहा गया कि यह केवल एक परियोजना नहीं बल्कि अगले 50 वर्षों के लिए उत्तर प्रदेश की नई आर्थिक संरचना का खाका है। इसके तहत वर्ष 2040 तक 5 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था, 1.5 लाख से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार और 5 गीगावॉट एआई कंप्यूट कॉरिडोर विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। बैठक में बताया गया कि वर्ष 2040 तक दुनिया की नई अर्थव्यवस्था एआई, क्लाउड, साइबर सिक्योरिटी, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रिक व्हीकल, रोबोटिक्स और स्पेस टेक्नोलॉजी जैसे "फ्यूचर ऐसेट्स" के इर्द–गिर्द विकसित होगी, जिनका संयुक्त वैश्विक बाजार 29 से 48 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है। भारत के लिए एआई सॉफ्टवेयर एंड सर्विसेज, क्लाउड सर्विसेज, साइबर सिक्योरिटी, सेमीकंडक्टर्स, एयरोस्पेस और ईवी जैसे सेक्टर भविष्य के प्रमुख आर्थिक इंजन होंगे। बैठक में उत्तर प्रदेश की पांच प्रमुख संरचनात्मक ताकतों– भौगोलिक स्थिति, विशाल भूमि उपलब्धता, बड़ी युवा आबादी, तेजी से विकसित हो रहा इंफ्रास्ट्रक्चर और मजबूत नेतृत्व को रेखांकित किया गया। कहा गया कि उत्तर प्रदेश का इनलैंड लोकेशन इसे समुद्री जोखिमों और चक्रवातों से सुरक्षित बनाता है, जबकि एक्सप्रेसवे, एयरपोर्ट, लॉजिस्टिक्स नेटवर्क और पावर इंफ्रास्ट्रक्चर पहले से तेजी से विकसित हो रहे हैं। आईआईटी कानपुर, एनआईटी प्रयागराज और 50 से अधिक इंजीनियरिंग संस्थानों के कारण राज्य में विशाल तकनीकी प्रतिभा उपलब्ध है। बैठक में उत्तर प्रदेश को "एशिया का मोस्ट सिक्योर, स्केलेबल एवं कनेक्टेड इनलैंड एआई टेरिटरी" बताया गया। कहा गया कि देश के लगभग सभी प्रमुख फाइबर नेटवर्क यूपी से होकर गुजरते हैं और राज्य भारत के सभी समुद्री केबल लैंडिंग पॉइंट्स से जुड़ा हुआ है। राज्य के भीतर 5 मिलीसेकंड से कम लेटेंसी तथा मुंबई और चेन्नई जैसे डिजिटल हब तक 5दृ12 मिलीसेकंड कनेक्टिविटी उपलब्ध है। वैश्विक टेक कंपनियों के लिए यूपी कम लागत, बेहतर स्केलेबिलिटी और अधिक नेटवर्क रिडंडेंसी वाला आदर्श एआई इंफ्रास्ट्रक्चर हब है। मुख्यमंत्री ने "प्रोजेक्ट गंगा" यानी गवर्नेंस असिस्टेड नेटवर्क फॉर ग्रोथ एंड एडवांसमेंट की भी समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन युवाओं को डिजिटल उद्यमी के रूप में चुना जाए, उन्हें गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण दिया जाए। उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण कार्य करने वाली कंपनियां भी इन युवाओं का उपयोग कर सकें, ऐसी व्यवस्था विकसित की जाए। मुख्यमंत्री ने ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क के तेजी से विस्तार और कार्यों में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करने पर बल दिया। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि शुरुआत से ही डिजिटल उद्यमियों को उचित इंसेंटिव उपलब्ध कराए जाएं। बैठक में बताया गया कि प्रोजेक्ट गंगा ग्रामीण उत्तर प्रदेश में हाई–स्पीड ब्रॉडबैंड नेटवर्क पहुंचाने की महत्वाकांक्षी पहल है। इसका उद्देश्य केवल इंटरनेट उपलब्ध कराना नहीं बल्कि टेलीमेडिसिन, डिजिटल शिक्षा, स्किल डेवलपमेंट, ई–गवर्नेंस, डिजिटल रोजगार और ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देना है। परियोजना के तहत 10 हजार से अधिक युवाओं को डिजिटल सर्विस प्रोवाइडर (डीएसपी) के रूप में विकसित करने का लक्ष्य है, जिससे लगभग 50 हजार प्रत्यक्ष और 1 लाख से अधिक अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने का अनुमान है।

पीएम मोदी का इटली दौरा, पीएम बोले

प्रधानमंत्री मेलोनी से बार-बार मुलाकात भारत-इटली सहयोग का प्रतीक

रोम (एजेंसी)। भारत और इटली ने अपने द्विपक्षीय संबंधों में एक नए स्वर्णिम अध्याय की शुरुआत कर दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इटली की पहली द्विपक्षीय यात्रा के दौरान दोनों देशों ने अपने रिश्तों को सर्वोच्च स्तर पर ले जाते हुए शिखर सम्मेलन के दौरान इतालवी प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने पीएम मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया। मेलोनी ने कहा कि वर्ष 2000 के बाद, यानी पूरे 26 साल बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली द्विपक्षीय इटली यात्रा है, जो दोनों देशों के बीच की दूरी को मिटाकर रिश्तों को एक नई ऊर्जा देगी। द्विपक्षीय वार्ता के बाद साझा प्रेस वक्तव्य में प्रधानमंत्री मेलोनी ने आर्थिक सहयोग को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का संकल्प जताया। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य वर्तमान 14 बिलियन यूरो के द्विपक्षीय व्यापार को साल 2029 तक बढ़ाकर 20 बिलियन यूरो तक पहुंचाना है। यह एक बेहद महत्वाकांक्षी लक्ष्य है, जिसे भारत और यूरोपीय संघ के बीच हस्ताक्षरित मुक्त व्यापार समझौते की मदद से हासिल किया जाएगा। मेलोनी ने जोर देकर कहा कि दोनों देशों के आर्थिक और उत्पादक तंत्र एक–दूसरे के पूरक हैं।

नीट-यूजी पुनःपरीक्षा की तैयारियों की समीक्षा

फर्जी सूचनाओं पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने आज नीट–यूजी पुनरू परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने केंद्रीय सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों के साथ एक उच्च–स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। मंत्री ने फर्जी टेलीग्राम चैनलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का निर्देश दिया, जो मेडिकल प्रवेश परीक्षा से संबंधित गलत सूचनाएं फैला रहे थे। बैठक में शिक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी और राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) के महानिदेशक उपस्थित थे। तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई ताकि कमजोरियों की पहचान हो सके और उसे ठीक किया जा सके। मेटा, गूगल और टेलीग्राम जैसे सोशल मीडिया मंचों के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक भी हुई। अधिकारियों ने बताया कि कई चैनल

परीक्षाओं से पहले सक्रिय होकर फर्जी पेपर लीक के दावे और गलत जानकारी प्रसारित करते हैं। इससे छात्रों और अभिभावकों में घबराहट फैलती है। खुफिया एजेंसियों के अनुसार, कई संदिग्ध चैनल सीमित फोन नंबरों से संचालित हो रहे हैं, जो संगठित गतिविधि का संकेत है। प्रधान ने इस मुद्दे पर कड़ा संज्ञान लिया। उन्होंने ऐसे नेटवर्कों पर कार्रवाई का निर्देश दिया। इसमें फर्जी जानकारी फैलाने वाले चैनलों की पहचान और हटाना शामिल है।

मंत्री ने कहा कि सोशल मीडिया मंचों को गलत सूचनाओं पर तुरंत अंकुश लगाने के लिए शिक्षा मंत्रालय, एनटीए और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ मिलकर काम करना चाहिए। यह परीक्षा प्रणाली की अखंडता की रक्षा के लिए जरूरी है। बैठक में यह भी बताया गया कि कई लिंक उपयोगकर्ताओं को स्वचालित बॉट और फर्जी समूहों पर फिर से निर्देश करते हैं। इन्हें गलत सूचनाओं को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन किया गया है। 3 मई को आयोजित नीट (यूजी) 2024 की परीक्षा पेपर लीक के आरोपों के कारण रद्द कर दी गई थी। इस मामले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) कर रही है, इसकी पुनः परीक्षा 21 जून को होनी है।

संविधान की प्रति लेकर राहुल बोले-आरएसएस और प्रधानमंत्री इसे फाड़ने की कोशिश कर रहे

रायबरेली,एजेंसी। रायबरेली में सभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने भाजपा, आरएसएस और प्रधानमंत्री पर संविधान कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने संविधान को देश की आत्मा बताया और आर्थिक स्थिति पर चिंता जताई। साथ ही सामाजिक न्याय, पिछड़ों के अधिकार और पार्टी नेताओं के परिवारों के प्रति समर्थन का संदेश दिया। रायबरेली के लोधवारी में सांसद राहुल गांधी ने वीरा पासी की प्रतिमा का लोकार्पण किया। बहुजन स्वाभिमान सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने भाजपा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर निशाना साधा। राहुल गांधी ने संविधान की एक प्रति हाथ में लेकर कहा कि भाजपा, प्रधानमंत्री और आरएसएस इसे फाड़ने और फेंकने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि आरएसएस ने तो इसे पहले ही फाड़ दिया है। संविधान के प्रति राहुल गांधी का भावुक आह्वान राहुल गांधी ने कहा कि यह संविधान की किताब सिर्फ कागज का पन्ना नहीं है, बल्कि इसमें डॉ. भीमराव अंबेडकर, महात्मा गांधी और वीरा पासी जैसे अनगिनत लोगों का खून और पसीना मिला हुआ है, जिन्होंने इसे बनाने में अपना सर्वस्व बलिदान कर दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि संविधान देश की आत्मा है और इसकी रक्षा करना हर नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने प्रधानमंत्री और गृहमंत्री पर देश के साथ धोखा करने का आरोप लगाया। हालांकि, उनके द्वारा ष्ट्रंप की बात मानकर देश के साथ दष अधूरा छोड़ दिया गया, जिससे इस विशिष्ट आरोप के संदर्भ में अधिक जानकारी उपलब्ध नहीं हो पाती है। यह संभवतः किसी आर्थिक नीति या अंतरराष्ट्रीय समझौते से जुड़ा संकेत था, जिसके बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त नहीं हो सकी। उन्होंने अपनी पार्टी के पारंपरिक वोट बैंक को एकजुट करने और भाजपा के प्रति विरोध को धार देने का प्रयास किया। वीरा पासी जैसी ऐतिहासिक हस्तियों को याद करके उन्होंने सामाजिक न्याय और पिछड़ों के अधिकारों के एजेंडे को भी रेखांकित किया।

उन्होंने परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की और परिवार को ढांढस बंधाया। राहुल गांधी ने कहा कि योगेंद्र मिश्र कांग्रेस परिवार के समर्पित और कर्मठ सदस्य थे। उनके निधन से पार्टी को बड़ी क्षति हुई है। उन्होंने परिजनों से कहा कि यह दुख केवल परिवार का नहीं, बल्कि पूरे कांग्रेस

परिवार का है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पार्टी हर परिस्थिति में परिवार के साथ खड़ी रहेगी। इस दौरान अमेठी सांसद किशोरी लाल शर्मा भी मौजूद रहे। उन्होंने परिजनों से मुलाकात कर हर संभव मदद का भरोसा दिया। मौके पर मौजूद कांग्रेस कार्यकर्ता भी भावुक नजर आए। राहुल गांधी ने कुछ देर परिजनों से बातचीत की और दिवंगत नेता के योगदान को याद किया। सम्मेलन में हजारों की संख्या में पहुंचे कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि देश की रक्षा संविधान करता है और पिछले 12 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने लगातार संविधान पर हमला किया है। राहुल गांधी ने कहा, "उनका काम अर्थव्यवस्था की रक्षा करना है, उनका काम देश की रक्षा करना है, लेकिन पिछले 12 साल में उन्होंने क्या किया?" उन्होंने आरोप लगाया कि आरएसएस से जुड़े लोगों को विश्वविद्यालयों में वाइस चांसलर बनाया जा रहा है और देश की संस्थाओं को कमजोर किया जा रहा है।

राहुल गांधी के बयान पर बोले नितिन नवीन, ये उनकी अराजकतावादी मानसिकता को दिखाता है

नई दिल्ली,एजेंसी। बुधवार को सत्तारूढ़ भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ राहुल गांधी की टिप्पणी पर जमकर हमला बोला और कहा कि कांग्रेस नेता के शब्द उनकी अराजक मानसिकता और चरित्र को दर्शाते हैं। भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन ने कहा कि गांधी की टिप्पणी देश की 140 करोड़ जनता का अपमान है और उन्होंने उनसे माफी मांगने की मांग की। यह घटना तब हुई जब गांधी ने बुधवार को अपने लोकसभा क्षेत्र रायबरेली में एक कार्यक्रम में मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर विभिन्न मुद्दों पर हमला करते हुए उन्हें गद्दार कहा। गांधी की टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए नबीन ने कहा कि उन्होंने जिस तरह का बयान दिया है, वह स्पष्ट रूप से

उनकी अराजक मानसिकता और चरित्र को दर्शाता है। यह टिप्पणी चुनावों में अपनी पार्टी की हार से उनकी कुंठा और हताशा को भी दर्शाती है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष ने आगे कहा कि मुझे लगता है कि वे अपना मानसिक संतुलन खो रहे हैं। उन्होंने गांधी की टिप्पणी को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि यह देश की 140 करोड़ जनता का अपमान है। नवीन ने पूछा कि जिस व्यक्ति ने आतंकी घटनाओं पर अंकुश लगाया, नक्सलवाद का अंत किया, तिरंगे का सम्मान बढ़ाया, ऐसे व्यक्ति के लिए आप इस तरह के शब्दों का प्रयोग करेंगे? उन्होंने मांग की कि राहुल को देश की जनता से माफी मांगनी चाहिए। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने राहुल का एक वीडियो साझा किया, जिसमें कांग्रेस नेता कथित तौर पर एक जनसभा में उपस्थित लोगों से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सदस्यों को यह बताने के लिए कहते सुनाई दे रहे हैं कि मोदी और शाह "गद्दार" हैं जिन्होंने देश बेच दिया और संविधान तथा राष्ट्रीय प्रतीकों पर हमला किया।

वीडियो में राहुल को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि आपको खड़ा होना होगा और लड़ना होगा। जब आरएसएस कार्यकर्ता आपके घरों में आकर नरेंद्र मोदी और अमित शाह के बारे में बात करें, तो आपको उन्हें बताना होगा कि उनका संगठन, मोदी और शाह गद्दार हैं। उन्होंने हमारे देश को बेचने की कोशिश की है और हमारे संविधान, अंबेडकर जी और महात्मा गांधी पर हमला किया है।

भूस्खलन में फंसे श्रद्धालुओं को एसडीआरएफ ने सुरक्षित निकाला

देहरादून,संवाददाता। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में स्थित भगवान शिव के ग्यारहवें ज्योतिर्लिंग केदारनाथ धाम के पैदल यात्रा मार्ग पर मंगलवार देर रात भूस्खलन में फंसे लगभग दस हजार से ज्यादा श्रद्धालुओं को राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) ने सुरक्षित निकाल लिया है।

एसडीआरएफ के कमांडेंट आईपीएस अर्पण यदुवंशी ने बुधवार सुबह यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सोनप्रयागदृ गौरीकुंड के मध्य मुनकटिया क्षेत्र में अचानक भूस्खलन होने से मुख्य सड़क मार्ग अवरुद्ध हो गया।

मार्ग बाधित होने के कारण बड़ी संख्या में श्रद्धालु बीच रास्ते में फंस गए। रात्रि का समय, खराब मौसम, पहाड़ी क्षेत्र में लगातार गिरता मलबा तथा यात्रियों की भारी भीड़ के कारण स्थिति अत्यंत चुनौतीपूर्ण बनी हुई थी।

सिर्फ पहचान का जरिया बने आधार, नागरिकता या पते का सबूत नहीं-सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली,एजेंसी। देश में आधार कार्ड के बढ़ते उपयोग और इसके दुरुपयोग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक महत्वपूर्ण जनहित याचिका दायर की गई है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि आधार कार्ड का इस्तेमाल नागरिकता, निवास स्थान और पते के प्रमाण के रूप में धड़ल्ले से हो रहा है। शीर्ष अदालत से मांग की गई है कि वह केंद्र सरकार को इसे केवल पहचान पत्र के रूप में ही सीमित रखने के सख्त निर्देश जारी करे। यह याचिका अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय की ओर से दायर की गई है। इसमें केंद्र सरकार, राज्य सरकारों और भारत निर्वाचन आयोग को यह सुनिश्चित करने का निर्देश देने की मांग की गई है कि आधार का उपयोग केवल पहचान साबित करने के लिए

हो, न कि नागरिकता, अधिवास, पता या जन्मतिथि प्रमाणित करने के लिए। अधिवक्ता अश्वनी दुबे के माध्यम से दायर इस याचिका में नए मतदाता पंजीकरण फॉर्म –6 में आधार के उपयोग पर गंभीर कानूनी सवाल उठाए गए हैं। याचिका के अनुसार, मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए आधार को जन्मतिथि और निवास के प्रमाण के रूप में स्वीकार करना आधार अधिनियम, 2016 की धारा 9, जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 23(4) और संविधान के अनुच्छेद 14 के प्रावधानों के पूरी तरह खिलाफ है। याचिका में कहा गया है कि आधार अधिनियम की धारा नौ साफ तौर पर यह बताती है कि आधार नागरिकता या डोमिसाइल का प्रमाण नहीं है। इसके अलावा, भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण ने भी 22 अगस्त 2023 की अपनी अधिसूचना में साफ किया था कि आधार केवल पहचान का प्रमाण है, नागरिकता या जन्मतिथि का नहीं।

पांच रुपये न लौटाने पर मासूम का कत्ल, गर्दन, सिर–सीना, पेट और हाथ की अंगुलियों में 14 वार, शरीर किया छलनी

प्रयागराज। यूपी के प्रयागराज में रिश्तों के कत्ल का मामला सामने आया है। यहां पांच रुपये नहीं लौटाने पर मासूम बच्ची को उसके चचेरे दादा–दादी और दो चाचाओं ने बर्बरता से मार डाला। मासूम के शरीर पर 14 वार किए गए थे। पुलिस तीन हिरासत में लिए हैं। यूपी के प्रयागराज से दिल दहालने वाली खबर सामने आई है। यहां औद्योगिक थाना इलाके के ब्योहरा गांव में आठ साल की मासूम जाह्नवी की उसके नाबालिग चाचा ने पांच रुपये वापस न लौटाने पर परिवार वालों के साथ मिलकर नृशंस हत्या कर दी। हंसिया से उसका गला रेतने के साथ सीने, पेट, पीठ और अंगुलियों में 14 वार किए। जाह्नवी की हत्या के बाद भूसा रखने वाले कमरे में चादर से ढककर उसका शव छिपा दिया गया था। पुलिस ने आरोपी चचेरी दादा–दादी और चाचा को

हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। 13 वर्षीय नाबालिग चाचा की तलाश की जा रही है। गांव निवासी सुनील कुमार चौधरी राजमिस्त्री है। सोमवार शाम को जब वह काम से घर लौटा तो उसकी आठ साल की बड़ी बेटी जाह्नवी घर में नहीं थी। बाकी बच्चे घर के बाहर खेल रहे थे। कुछ देर बाद भी उसका पता नहीं चला तो घरवाले खोजबीन में जुट गए।

काफी देर तक भी बच्ची का पता न चलने पर परिवारवालों ने पुलिस को सूचना दी। इस बीच पिता सुनील बेटी की तलाश करते हुए पास रहने वाले चाचा मुन्नीलाल के घर पहुंचा तो वहां उसकी चाची गीता देवी, उसका चचेरा भाई करन मौजूद था। बेटी के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने अनभिज्ञता जताई।

जब वह घर के अंदर जाने लगा तो परिवारवालों ने उसे रोक लिया। शंका होने पर वह अपने भाई और पिता के साथ अपने चाचा के घर के अंदर गया तो अंधेरा था। मोबाइल फोन की टॉर्च जलाकर घर के अंदर देखा तो आंगन के बाई तरफ जिस कमरे में भूसा रखा था, वहां जाह्नवी का शव चादर में ढका था।

जब उन्होंने चादर उठाकर देखा तो शव खून से लथपथ था। उसके शरीर पर कई जगह गंभीर चोट के निशान थे। मासूम की हत्या की सूचना पर औद्योगिक पुलिस के साथ एसीपी करछना सुनील कुमार सिंह के साथ फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची।

घटना स्थल से मृतका के चचेरे दादा मुन्नीलाल, दादी गीता देवी, चाचा करन को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। वहीं, मुन्नीलाल का नाबालिग बेटा घटना के बाद फरार हो गया। मृतक के पिता की शिकायत पर पुलिस ने मुन्नीलाल, उसकी पत्नी गीता देवी, बेटे करन और अन्य नाबालिग बेटे के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि जाह्नवी से बीस रुपये देकर कुछ सामान मंगाया था। इसमें से 15 रुपये का सामान वह ले आई थी लेकिन उसने पांच रुपये वापस नहीं किया। पांच रुपये के बारे में वह सही जवाब नहीं दे रही थी। इस पर गुस्से में आकर नाबालिग ने परिवारवालों के साथ मिलकर उसकी हत्या कर दी। मंगलवार को डॉक्टरों के पैनल और वीडियोग्राफी के बीच शव का पोस्टमार्टम कराया गया।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मासूम के शरीर में 14 जगह चोट के निशान मिले हैं। परिजनों ने लवायन घाट पर शव को दफना दिया। मृतका चार भाई–बहनों में सबसे बड़ी थी। वह गांव के ही सरकारी स्कूल में कक्षा दो की छात्रा थी।

पांच रुपये के विवाद में मासूम की हत्या की बात सामने आ रही है। नामजद आरोपियों में नाबालिग फरार है। वहीं, अन्य तीन आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।– सुनील कुमार सिंह, एसीपी करछना

पैसे को लेकर मासूम की हत्या की बात पूछताछ में सामने आई है। आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। फरार नाबालिग की तलाश की जा रही है। –विवेक चंद्र यादव, डीसीपी यमुनानगर

दवा कारोबारियों की बंदी का दिखा व्यापक असर, बालसन, लीडर रोड की सभी दुकानें बंद

प्रयागराज। दवाओं की ऑनलाइन बिक्री पर रोक सहित कई मांगों को लेकर दवा कारोबारियों की एक दिन की बंदी का प्रयागराज में व्यापक असर देखा गया। एसआरएन अस्पताल के आसपास की दुकानों को छोड़कर पूरे शहर में दवा की लगभग सभी दुकानें बंद रहीं। दवाओं की ऑनलाइन बिक्री पर रोक सहित कई मांगों को लेकर दवा कारोबारियों की एक दिन की बंदी का प्रयागराज में व्यापक असर देखा गया। एसआरएन अस्पताल के आसपास की दुकानों को छोड़कर पूरे शहर में दवा की लगभग सभी दुकानें बंद रहीं। दवाओं की मंडी माने जाने वाले बालसन चौराहा और लीडर रोड पर सभी दुकानों के शटर गिरे रहे। व्यापारियों ने प्रदर्शन और धरना देकर सरकार पर दवा कारोबारियों के साथ

अन्याय करने का आरोप लगाया। कारोबारियों ने कहा कि सरकार के सारे प्रतिबंध फुटकर और थोक दवा दुकानदारों के लिए बनाए गए हैं। दवाओं की ऑनलाइन बिक्री करने वालों को पूरी तरह से छूट दे दी गई है। इससे दवा की दुकानों की स्थिति खराब होती जा रही है। सरकार का इन पर कोई प्रतिबंध नहीं है और ऑनलाइन खरीद को बढ़ावा दिया जा रहा है। इससे छोटे मेडिकल स्टोर संचालकों की कमर टूट जा रही है। ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स (एआईओसीडी) की देशव्यापी बंदी का प्रयागराज में व्यापक असर देखा गया। एसआरएन अस्पताल के पास की छोड़कर शहर की सभी थोक व फुटकर दवा की दुकानें बंद रहीं। इसके अलावा ऑनलाइन फार्मेसी व शोषणकारी मूल्य निर्धारण के खिलाफ केमिस्ट और दवा विक्रेताओं का संगठन सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन भी किया। प्रयाग व्यापार मंडल के अध्यक्ष राणा चावला ने कहा कि प्रयाग केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष राणा चावला ने कहा कि बिना भौतिक सत्यापन के दवाओं की बिक्री से एक ही प्रिस्क्रिप्शन का बार–बार उपयोग हो रहा है। एआई आधारित फर्जी प्रिस्क्रिप्शन के जरिये एंटीबायोटिक्स और नशीली दवाओं की अनियंत्रित उपलब्धता एंटी–माइक्रोबियल रेसिस्टेंस जैसे बड़े खतरे को जन्म दे रही है। यह सीधे तौर पर जनस्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ है।

एसआरएन अस्पताल में डॉक्टरों और तीमारदारों में जमकर मारपीट, बवाल के बाद ओपीडी इमरजेंसी सेवा ठप

प्रयागराज। स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल (एसआरएन) में बुधवार को चिकित्सकों और तीमारदारों में जमकर मारपीट हो गई। घटना भोर में 5.30 बजे से शुरू हो गई। घटना से आक्रोशित डॉक्टरों ने ओपीडी और इमरजेंसी सेवाएं ठप कर दी हैं।

स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल (एसआरएन) में बुधवार को चिकित्सकों और तीमारदारों में जमकर मारपीट हो गई। घटना भोर में 5.30 बजे से शुरू हो गई। घटना से आक्रोशित डॉक्टरों ने ओपीडी और इमरजेंसी सेवाएं ठप कर दी हैं। इससे दूर–दूर से पहुंचे मरीजों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। चिकित्सकों ने जमकर नारेबाजी करते हुए मारपीट करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। तीमारदारों ने भी चिकित्सकों पर घायल के उपचार में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है।

झूंसी क्षेत्र की एक महिला अधिवक्ता सुबह सड़क हादसे में घायल हो गईं सूचना पाकर परिजन और परिचित उन्हें लेकर सुबह करीब छह बजे एसआरएन अस्पताल पहुंचे। आरोप है कि यहां पर तैनात चिकित्सक सो रहे थे। जगाने पर वह अभद्रता करने लगे और मारपीट पर उतारू हो गए। विवाद बढ़ने

पर ट्रॉमा सेंटर के चिकित्सक और कर्मचारी पहुंच गए और तीमारदारों के साथ मारपीट करने लगे। आरोप है चिकित्सकों ने सर्जिकल ब्लेड और कैंची से हमला किया। वीडियो बनाने पर फोन छीन लिया।

घटना से आक्रोशित चिकित्सकों ने ट्रॉमा सेंटर और ओपीडी बंद कर दी है। इससे दूर दूर से इलाज कराने के लिए पहुंचे मरीजों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ओपीडी पर्ची काउंटर बंद है। कोई भी चिकित्सक अपने कक्ष में नहीं है। प्रयागराज सहित प्रतापगढ़, कौशाम्बी, चित्रकूट, मिर्जापुर, रीवा से आए मरीज परेशान हैं। मरीजों ने कहा कि वह इतनी गर्मी और धूप झेलकर यहां पहुंचे हैं लेकिन हड़ताल के कारण उनको काफी दिक्कत हो रही है।

मेडिसिन ओपीडी समेत हृदय रोग विभाग, नाक कान गला रोग विभाग, सर्जरी और टीबी एंड चेस्ट विभाग में सीनियर डॉक्टर बैठे हैं। लेकिन पर्चा न बनने के कारण मरीज नहीं पहुंच पा रहे हैं। सूचना पाकर एडीएम सिटी सत्यम मिश्रा समेत एसडीएम, एसीपी, सीडीपी सहित कई थानों की पुलिस पहुंच गई है। मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉक्टर डॉक्टर वीके पांडेय ने बताया कि मामले को संज्ञान में लेकर जांच कराई जा रही है। इसके बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

सुसाइड नोट में लिखा- मेरी मौत का जिम्मेदार खजांची है, मेरा पोस्टमार्टम न कराया जाए

प्रयागराज। एयरपोर्ट क्षेत्र के पीपल गांव स्थित देव प्रयागम कॉलोनी में मंगलवार सुबह पोस्टमास्टर जगदंबा प्रसाद श्रीवास्तव (55) का शव संदिग्ध हालात में मिला। आशंका है कि उन्होंने अपने कमरे में फंदे से लटक कर जान दी है। घटनास्थल से एक सुसाइड नोट मिला है।

एयरपोर्ट क्षेत्र के पीपल गांव स्थित देव प्रयागम कॉलोनी में मंगलवार सुबह पोस्टमास्टर जगदंबा प्रसाद श्रीवास्तव (55) का शव संदिग्ध हालात में मिला। आशंका है कि उन्होंने अपने कमरे में फंदे से लटक कर जान दी है। घटनास्थल से एक सुसाइड नोट मिला है।

इसमें लिखा है कि मेरी मौत का जिम्मेदार खजांची सुरेंद्र कुमार है, मेरे मरने के बाद परिवार को परेशान न किया जाए, मेरी अंतिम इच्छा है कि शव का पोस्टमार्टम न कराया जाए। मामले में पुलिस ने बड़े बेटे प्रखर श्रीवास्तव की तहरीर पर विभिन्न धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली है।

देव प्रयागम कॉलोनी में जगदंबा प्रसाद श्रीवास्तव अपनी पत्नी प्रेमा और दो बेटों के साथ रहते थे। वह सूबेदारगंज डाक विभाग में पोस्टमास्टर के पद पर लंबे समय से कार्यरत थे। मंगलवार सुबह करीब चार बजे वह घर से टहलने के लिए निकले। थोड़ी देर बाद घर वापस आए और अपने कमरे में चले गए।

सुबह करीब 5रू30 बजे पुलिस को सूचना मिली कि जगदंबा प्रसाद ने अपने कमरे में धोती से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली है। मौके पर पुलिस के पहुंचने से पहले जगदंबा प्रसाद को फंदे से नीचे उतार लिया गया था। पुलिस को मौके से एक पेज का सुसाइड

नोट मिला, जिसमें जगदंबा प्रसाद ने अपनी मौत का जिम्मेदार खजांची को ठहराया।

पुलिस ने मामले की जांच की तो पता चला कि कलेक्शन के 65 लाख रुपये पोस्ट ऑफिस की ट्रेजरी में जमा किए जाने थे। यह रकम कार्यालयीय प्रक्रिया के तहत जमा होनी थी, लेकिन पोस्ट ऑफिस के अधिकारियों ने पुलिस बयान में बताया कि रुपये ट्रेजरी में जमा नहीं किए गए हैं। सोमवार को कैश जमा कराने और मिलान के संबंध में जगदंबा प्रसाद से बातचीत हुई थी, इसके बाद उनकी मौत की सूचना मिली।

सुसाइड नोट फॉरेंसिक लैब भेजा

परिजनों ने पुलिस को लैब भेज दिया है।

कभी खुलकर कुछ नहीं बताया

घटना के बाद से परिवार का रो–रोकर हाल बेहाल है। पत्नी और दोनों बेटे सदमे में हैं। परिजनों ने बताया कि जगदंबा प्रसाद बेहद जिम्मेदार और ईमानदार व्यक्ति थे। उन्हें किसी बात की गहरी चिंता थी, लेकिन उन्होंने कभी खुलकर कुछ नहीं बताया। उधर, पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हालांकि, सुसाइड नोट में पोस्टमार्टम न कराने की अंतिम इच्छा जताई गई थी, लेकिन कानूनी प्रक्रिया के तहत पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

आखिर कहां गए 65 लाख रुपये

पुलिस जांच में सामने आया कि करीब 65 लाख रुपये ट्रेजरी में जमा किए जाने थे, लेकिन रकम जमा नहीं हुई। मामले में पुलिस खजांची समेत विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों से रुपये के लेनदेन, कैश मिलान को लेकर पूछताछ करने में जुटी है। वहीं, कई लोगों का कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) निकलवाया गया है और उनसे पूछताछ की गई है।

मामले में सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। घटनास्थल से सुसाइड नोट मिला है, जिसमें खजांची पर आरोप लगाए गए हैं। पोस्ट ऑफिस में वित्तीय लेनदेन में गड़बड़ी की बात सामने आई है। मोबाइल नंबर के सीडीआर और पोस्ट ऑफिस के दस्तावेजों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। – अजेंद्र यादव, एसीपी धूमनगंज

शनिवार रात करीब साढ़े आठ बजे तक जगदंबा प्रसाद ने ऑनलाइन इंट्री में 65 लाख रुपये दिखाए थे, लेकिन यह रुपये ट्रेजरी में जमा नहीं हुए। अगले दिन रविवार था। सोमवार को संपर्क साधा गया तो उन्होंने कहा कि वह लखनऊ गए थे, रुपये उनके पास हैं। कहा कि ऊंचाहार पहुंच गए हैं, आकर रुपये जमा कर देंगे लेकिन वह नहीं आए। बाद में पता चला कि उन्होंने सुसाइड कर ली है। – सुशील कुमार तिवारी, वरिष्ठ अधीक्षक, डाकघर

सिविल लाइंस में वकीलों और दूसरे पक्ष में जमकर बवाल, पथराव, एसीपी घायल

प्रयागराज। एसआरएन अस्पताल में वकीलों और डॉक्टरों के बीच मारपीट के बाद सिविल लाइंस में वकीलों के विरोध प्रदर्शन को रोकने पर पुलिस से भिड़ंत हो गई। पथराव में एसीपी सिविल लाइंस विद्युत गोयल घायल हो गए हैं।

एसआरएन अस्पताल में वकीलों और डॉक्टरों के बीच मारपीट के बाद सिविल लाइंस में वकीलों के विरोध प्रदर्शन और चक्काजाम कर रहे वकीलों से राजकीय मुद्रणालय के कर्मचारियों के बीच मारपीट हो गई। दोनों तरफ से हो रहे पथराव से अफरातफरी मच गई। पत्थर लगने से एसीपी सिविल लाइंस विद्युत गोयल घायल हो गए हैं। एसआरएन की घटना के विरोध में वकीलों ने पूरे शहर में प्रदर्शन किया और आरोपी चिकित्सक को गिरफ्तार करने की मांग पर अड़े हैं। बड़ी संख्या में वकील

सिविल लाइंस में एकलव्य चौराहे के पास सड़क जाम कर दिया। सभी वाहनों को जाने से रोक दिया गया। इसी बीच गर्वमेंट प्रेस का एक कर्मचारी बैरिकेडिंग क्रॉस करने लगा। इसको लेकर वकीलों से कर्मचारी से विवाद हो गया।

सूचना पाकर गर्वमेंट प्रेस के बड़ी संख्या में कर्मचारी पहुंच गए और वकीलों से भिड़ गए। इसको लेकर काफी बवाल हो गया। इस दौरान चले पत्थर से कई वाहनों के शीशे टूट गए। सूचना पाकर सिविल लाइंस समेत कई थानों की पुलिस स्थिति को संभालने के लिए पहुंच गई। वकीलों का आक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा है। पत्थरबाजी से इलाके में अफरातफरी मच गई।

इसी बीच एसीपी सिविल लाइंस विद्युत गोयल गश खाकर गिर पड़े। उन्हें तत्काल अस्पताल भेजवाया गया। पथराव में गर्वमेंट प्रेस गेट के सामने खड़ी वैगन आर कार के शीशे टूट गए। कार्यालय गेट के शीशे को भी पत्थर मारकर तोड़ दिया गया और यहां रखे फूलों के गमलों को तोड़ दिया गया।

चांडाल चौकड़ी के लोग नमाज के नाम पर फैलाना चाहते हैं सियासी सांप्रदायिकता

प्रयागराज। चांडाल चौकड़ी के कुछ लोग नमाज के नाम पर सियासी सांप्रदायिकता फैलाना चाहते हैं। उनसे हमें बच कर रहना होगा। ये बातें पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने मंगलवार को प्रयागराज आगमन पर सर्किट हाउस में मीडिया से बातचीत में कहीं। चांडाल चौकड़ी के कुछ लोग नमाज के नाम पर सियासी सांप्रदायिकता फैलाना चाहते हैं। उनसे हमें बच कर रहना होगा। ये बातें पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने मंगलवार को प्रयागराज आगमन पर सर्किट हाउस में मीडिया से बातचीत में कहीं। सड़क पर नमाज के मुद्दे पर पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि नमाज पढ़ना ऊपर वाले के प्रति प्रार्थना करना और सभी के कल्याण के प्रति इबादत करना है। सड़क पर नमाज पढ़ने की व्यवस्था से आम जनता प्रभावित होगी और लोगों को आने–जाने में दिक्कत होगी। इसलिए सभी मुस्लिम भाइयों को कानून का पालन करते हुए मस्जिदों व ईदगाहों में नमाज पढ़नी चाहिए, ताकि आमजन को परेशानी न हो।

नकवी ने कांग्रेस–सपा पर हमला करते हुए कहा कि लफ्फाजी की लंपट लॉबी का सत्तालोलुप सुरूर और गुरूर चुनावी मैदान में लगातार गच्चा खा रहा है। उत्तर प्रदेश में 2027 के चुनाव में भी इस लफ्फाजी के लाट साहबों और झांसे के झंडाबरदारों को झटका झेलना पड़ेगा। कहा कि वयोवृद्ध कांग्रेस निर्मित व निर्देशित वोट चोरी का हॉरर शो जनता के बीच टांय–टांय फिस्स हो रहा है। विधानसभा चुनावों के हालिया नतीजों पर पूर्व मंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रजातंत्र को परिवार तंत्र का बंधक बनाने की सनक बिहार, पश्चिम बंगाल, असम के चुनाव में धराशायी हुई है और आगे उत्तर प्रदेश व अन्य राज्यों में भी धूल–धूसरित होगी। आज भाजपा और सहयोगी दलों का भारत की 78 फीसदी आबादी और 22 राज्यों में सुशासन का ध्वज लहरा रहा है। भारत में सुशासन व सनातन का अमृत काल चल रहा है। पूर्व मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि वैश्विक संकट के दौर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रूप में भारत को कामयाब व काबिल नेतृत्व मिला है, जो संकटमोचक की तरह है। नरेंद्र मोदी ने देश के सामने आए हर संकट के समाधान का प्रमाणित और प्रभावी परिणाम दिखाया है। कुछ लोग संकट के समाधान में जुटने के बजाय सियासी व्यवधान में डट जाते हैं, ऐसे भय–भ्रम के गटर पर भरोसे का शटर लगा कर आपदा में अवसर ढूंढने वाले साजिशी सिंडीकेट से सावधान रहना होगा। नीट परीक्षा में हुए पेपर लीक मामले में कहा कि जिन्होंने विद्यार्थियों के जीवन के साथ खिलवाड़ किया है, उन पर सख्त कार्रवाई की जाए ताकि आगे ऐसी घटना फिर न हो।

भाजपाइयों ने किया पूर्व मंत्री का स्वागत

प्रयागराज पहुंचने पर भाजपाइयों ने पूर्व मंत्री का स्वागत किया। भाजपा नेता राजेश केसरवानी ने बताया कि शाम छह बजे मुख्तार अब्बास नकवी वरिष्ठ भाजपा नेता राम जी केसरवानी के जीरो रोड स्थित नवनिर्मित होटल पहुंचे और स्थानीय व्यापारियों से मुलाकात की। स्वागत करने वालों में भाजपा नेता राम जी केसरवानी, राजेश केसरवानी, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा क्षेत्रीय मंत्री सैफुल अब्बास, रमेश पासी, सुशील जैन, नटवर लाल भारती, वसीम, शत्रुघ्न जायसवाल आदि शामिल रहे।

हर 15 मिनट में ट्रिपिंग से उबल रहे उपभोक्ता

प्रयागराज। आंधी के बाद से मांडा रोड बिजली उपकेंद्र से जुड़े गांवों में आपूर्ति ध्वस्त हो गई है। उमस भरी भीषण गर्मी में हर 15 मिनट में बिजली की आंखमिचौली ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। डेंगुरपुर के समाजसेवी विपिन पांडेय व महेवा कला के हीरालाल सहित कई ग्रामीणों ने बताया कि बीते सप्ताह आई आंधी के बाद से बिजली आपूर्ति पटरी पर नहीं लौट सकी है। मंगलवार को बामपुर फीडर से जुड़े गांवों में महज चार घंटे के भीतर 23 बार सप्लाई ट्रिप हुई। ग्रामीणों का कहना है कि रात में भी स्थिति और बदतर हो गई। 24 घंटे में तीन घंटे सुचारू रूप से बिजली नहीं मिल पा रही है। हर 15–20 मिनट में हो रही ट्रिपिंग से न केवल घरेलू कामकाज प्रभावित हो रहा है, बल्कि इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के खराब होने का भी खतरा बना हुआ है। लगातार बिगड़ती व्यवस्था से लोगों में बिजली विभाग के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है। उपभोक्ताओं ने जल्द सुधार न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है।

गांवों में अंधेरा, भीषण गर्मी से लोग बेहाल

प्रयागराज। सिकंदरा उपकेंद्र की बिजली आपूर्ति व्यवस्था सात दिन बाद भी पटरी पर नहीं लौटी है जिससे इस भीषण गर्मी में लोगों का जीना मुहाल हो गया है। उपकेंद्र के छह फीडरों के माध्यम से क्षेत्र के लगभग 80 गांवों के उपभोक्ताओं को बिजली आपूर्ति की जाती है। ऐसे में सात दिन बाद भी कई गांव की बिजली आपूर्ति बाधित है। अवर अभियंता वीरेंद्र कुमार ने बताया कि जल्द ही सभी गांवों में बिजली आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

पांच दिन से बिजली आपूर्ति ठप, ग्रामीण परेशान

प्रयागराज। क्षेत्र के छोटा पठान का पूरा में पिछले पांच दिनों से बिजली आपूर्ति ठप होने के कारण ग्रामीण अंधेरे में जीवन यापन करने को मजबूर हैं। आंधी के दौरान बिजली लाइन क्षतिग्रस्त होने के बाद अब तक मरम्मत कार्य पूरा नहीं हो सका है। जिससे ग्रामीणों को पेयजल संकट से भी जूझना पड़ रहा है। ग्रामीण महताब व रोशन आदि ने कहा कि कई बार बिजली विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को सूचना देने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं किया गया। गांव में शाम तक चारों तरफ अंधेरा छा जाता है, जिससे लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। पेयजल संकट भी गहराने लगा है, क्योंकि अधिकांश लोगों के घरों में मोटर के जरिये पानी की व्यवस्था होती है। ग्रामीणों का आरोप है कि विभागीय कर्मचारी केवल आश्वासन देकर लौट जाते हैं। बिजली आपूर्ति बहाल न होने से लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। अवर अभियंता ने जानकारी दी कि क्षेत्र में कई जगह मरम्मत कार्य चल रहा है, यहां भी एक–दो दिन में सप्लाई बहाल हो जाएगी।

भीषण गर्मी में घरों में कैद हुए लोग, पंखे–कूलर भी फेल

प्रयागराज। भीषण गर्मी और लू के थपेड़ों ने लोगों का घर से निकलना दूभर कर दिया है। सूरज की तपिश से बचने के लिए लोग घरों में कैद रहने के लिए मजबूर हैं। पंखे–कूलर भी गर्म हवाओं के आगे बेअसर साबित हो रहे हैं। मंगलवार सुबह नौ बजे से ही लू चलने लगी। दोपहर में सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा। जरूरी काम से निकलने वाले लोग सिर पर गमछा और हाथ में पानी की बोतल लेकर ही बाहर दिखें। लोगों का कहना है कि दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक कूलर चलाने का भी फायदा नहीं हो रहा। बिजली की आंखमिचौली ने परेशानी और बढ़ा दी है। गर्मी से सबसे ज्यादा परेशान पशु–पक्षी हैं। वहीं, बच्चों ने भी गर्मी से बचने के लिए तालाबों का सहारा लिया। दिनभर बच्चे तालाब में कूदकर मस्ती करते नजर आए। सीएचसी प्रभारी मऊआइमा डॉ. रामगोपाल वर्मा ने बताया कि गर्मी में ज्यादा से ज्यादा नींबू–पानी और बेल के शरबत का सेवन करें। खाली पेट बाहर न निकलें।

जौनपुर इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

जौनपुर । शहर समता विचार मंच जौनपुर इकाई की महिला काव्य गोष्ठी डॉ मधु पाठक के संयोजन मे अर्चना चौहान की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई ।इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि डॉ रागिनी राय एवं विशिष्ट अतिथि डॉ सुमन सिंह रहीं। यह काव्य गोष्ठी गूगल मीट के द्वारा शाम 5.30बजे से 6.30 बजे तक चली जिसका शुभारंभ अध्यक्षता कर रही अर्चना चौहान द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति डॉ नीलू सिंह के द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन डॉ मधु पाठक ने किया। इस काव्य गोष्ठी में डॉ सुषमा मिश्रा ने श्माना की तू आफताब हैश, डॉ नीलू सिंह ने श्प्लास्टिक मुक्त करो भारत को,श डॉ सुमन सिंह नेश्प्रेमघन कृष्णश, डॉ मधु पाठक ने श्जिंदगीश, रचना के पाठ से काव्यगोष्ठी को सफल बनाया ।धन्यवाद ज्ञापन डॉ मधु पाठक ने किया।

दाऊजी मेला बाजार में अवैध वसूली के दावे पर प्रशासन सख्त, आरोपी की जमानत खारिज, भेजा जेल

मथुरा। बलदेव के प्रसिद्ध दाऊजी मेला परिसर में प्रत्येक रविवार को लगने वाले बाजार से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने के बाद प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। वायरल वीडियो में कथित रूप से अवैध वसूली को लेकर बयान दिए गए थे, वहीं वीडियो के दौरान पत्रकारों एवं प्रशासन के प्रति अभद्र और अमर्यादित भाषा का प्रयोग भी किया गया था। मामले का संज्ञान लेते हुए पुलिस और प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी योगेंद्र पांडे के खिलाफ विधिक कार्यवाही शुरू की। मंगलवार को आरोपी को एसडीएम न्यायालय में पेश किया गया, जहां मामले की गंभीरता को देखते हुए उसकी जमानत याचिका खारिज कर दी गई। इसके बाद आरोपी को जेल भेज दिया गया। प्रशासन की इस कार्रवाई को मेला क्षेत्र में अवैध वसूली और पत्रकारों के प्रति अभद्रता करने वालों के खिलाफ कड़ा संदेश माना जा रहा है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि कानून व्यवस्था एवं चौथे स्तंभ के सम्मान से खिलवाड़ किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

यूपी राष्ट्रीय बचत विभाग को मृत संवर्ग घोषित करने पर बनी स्थायी समिति

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश शासन के वित्त विभाग ने राष्ट्रीय बचत विभाग को मृत संवर्ग घोषित करने हेतु सचिव संदीप कौर की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में 12 वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। बैठक में निर्णय लिया गया कि विभाग के सीध ी भर्ती, पदोन्नति के पदों को अन्य निदेशालयों में समायोजित अथवा समाप्त करने हेतु सचिव वित्त की अध्यक्षता में स्थायी समिति गठित की जाए। समिति में विशेष सचिव वित्त, कार्मिक विभाग व अन्य अधि ाकारी शामिल होंगे। आन्तरिक लेखा एवं लेखा परीक्षा निदेशालय के अधीन 5 क्षेत्रीय कार्यालयों के विलय की प्रक्रिया शुरू होगी। सांख्यिकीय व सहायक सांख्यिकीय अधिकारियों को छोड़कर अन्य संवर्गों के कार्मिकों को समायोजित करने पर सहमति बनी। अंतिम निर्णय स्थायी समिति करेगी।

सरकार के बाद बीजेपी संगठन में बड़े बदलाव की तैयारी

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश भाजपा संगठन में बड़े स्तर पर बदलाव की तैयारी तेज हो गई है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक प्रदेश कार्यकारिणी से लेकर क्षेत्रीय अध्यक्षों तक कई अहम पदों पर फेरबदल की रूपरेखा लगभग तैयार कर ली गई है। नई टीम में कई नए चेहरों को मौका देने की रणनीति बनाई जा रही है, जबकि लंबे समय से संगठन में सक्रिय अनुभवी नेताओं को राष्ट्रीय कार्यकारिणी या केंद्रीय जिम्मेदारियों में भेजे जाने की चर्चा है। अब सबकी नजर दिल्ली में केंद्रीय नेतृत्व की मंजूरी पर टिकी है ।भाजपा में प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के कार्यभार संभालने के बाद से ही नई प्रदेश कार्यकारिणी के गठन को लेकर मंथन जारी है। कोर कमेटी की बैठकों में भी राय–मशविरा हुआ है। लखनऊ से लेकर दिल्ली तक बैठकों के बाद नई कार्यकारिणी तैयार मानी जा रही है। शीर्ष नेतृत्व से अंतिम सहमति के बाद ऐलान हो सकता है। भाजपा संगठन में नई ऊर्जा और नई रणनीति के साथ आगे बढ़ना चाहती है। ऐसे कार्यकर्ताओं और नेताओं को जिम्मेदारी देने की योजना है जो लंबे समय से संगठन में सक्रिय और जमीनी स्तर पर काम कर रहे हैं। अनुभवी पदाधिकारियों की भूमिका बदली जा सकती है। प्रदेश संगठन में लंबे समय से सक्रिय नेताओं को राष्ट्रीय स्तर की जिम्मेदारियों में भेजा जा सकता है, जिससे प्रदेश इकाई में नए नेतृत्व को जगह मिले। भाजपा चुनावी रणनीति को देखते हुए संगठन में संतुलन और ताजगी लाने पर जोर दे रही है। भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी का गठन भी प्रस्तावित है। ऐसे में यूपी से कई वरिष्ठ नेताओं को दिल्ली में जिम्मेदारी मिलने की संभावना जताई जा रही है। चर्चा है कि प्रदेश के कुछ अनुभवी पदाधिकारी केंद्रीय कार्यकारिणी में शामिल किए जा सकते हैं।

लखनऊ की नीलम शंखवार को मिला वीजी मिसेज इंडिया ग्लोबल आइकॉन फिनिक्स क्वीन 2026 का ताज

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी की नीलम शंखवार को वीजी मिसेज इंडिया ग्लोबल आइकॉन फिनिक्स क्वीन 2026 का ताज मिला। पेशे से शिक्षिका नीलम शंखवार ने आज लखनऊ में एक पत्रकार वार्ता में बताया कि यह ताज नई दिल्ली के फेयरली होटल्स एंड रिसॉर्ट्स में राष्ट्रीय स्तर की कड़ी सौन्दर्य प्रतियोगिता में हासिल किया है। यह प्रतियोगिता ष्ट्रीम डेयर एंड बी द क्वीनष थीम पर आधारित थी।

नायब को आया बुखार, भयहरणनाथ धाम नहीं पहुँची राजस्व टीम

हमें तो चिन्हांकन कर पत्थर गाड़ना ही है: नायब तहसीलदार

ज्वर से पीड़ित नायब सदर दिनेश चन्द्र तिवारी का महासचिव समाज शेखर को दूरभाष पर आश्वासन, भयहरणनाथ धाम में 11वाँ सामाजिक सत्याग्रह 24 मई को

प्रतापगढ़। भयहरणनाथ धाम परिसर में मा0 जिला मजिस्ट्रेट के आदेश संख्या 1060/शिविर–डी0जी0सी0–2018 दिनांक 21.05.2018 के अनुपालन में आज 20 मई 2026 को प्रस्तावित पत्थर चिन्हांकन का कार्य स्थगित रहा। नायब तहसीलदार सदर के ज्वर से पीड़ित होने के कारण राजस्व टीम पूर्व निर्धारित कार्य चिन्हांकन व पत्थर गाड़ने का कार्य करने को नहीं पहुँच सकी। सत्याग्रहियों ने तय किया कि यदि जल्द पत्थर गड़ने का कार्य संपन्न नहीं होता है तो 11वाँ सामाजिक सत्याग्रह अगले रविवार 24 मई को आयोजित होगा जिसमें सभी सदस्य व पदाधिकारी प्रतिभाग करेंगे।

राजस्व टीम के आज न आने पर महासचिव समाज शेखर से दूरभाष पर हुई वार्ता में नायब तहसीलदार सदर दिनेश चन्द्र तिवारी ने स्पष्ट कहा कि 'ष्हमें तो चिन्हांकन कर पत्थर गाड़ना ही हैष। आज बुखार है, स्वस्थ होते ही हम अपने तय कार्य को टीम के साथ अंजाम देंगे। भयहरणनाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान के सदस्य व पदाधिकारी उनके इस स्पष्ट आश्वासन का स्वागत करते हैं। यदि 24 मई को आश्वासन के अनुरूप कार्रवाई नहीं हुई तो संस्थान मा0 उच्च न्यायालय इलाहाबाद में अवमानना याचिका दाखिल करेगा जिसमें नायब दिनेश चन्द्र तिवारी को भी पक्षकार बनाया जाएगा। अनावश्यक लोग मेले में बनाये हैं दखल, लगातार कर रहे कुछ न कुछ समस्या

महासचिव समाज शेखर ने कहा कि धाम में अधिमास (मलमास) का मेला जारी है, मा0 कड के 21.05.2018 के तथा अन्य आदेश में ष्धाम शुल्क मुक्त रखा जायष का निर्देश है। 8 वर्ष बाद भी असामाजिक तत्वों की मिलीभगत से अवैध वसूली जारी है। जबकि धाम में नगर पंचायत व पुलिस तथा प्रबन्ध समिति शुल्क मुक्त की घोषणा चौकी प्रभारी राजीव वर्मा को कार्यालय प्रभारी नीरज मिश्र ने अवगत करा मामले को निरंतर कर रही है फिर भी कुछ लोग वसूली अपना निजी अधिकार समझते हैं और नकद वसूली करते और कराते हैं, भू–माफिया की शह पर प्रदीप सिंह धोनू, भानु सिंह व पप्पू लकड़ी सहित कुछ विशेष श्रेणी के व्यक्तित्व बेलगाम हैं, प्रबन्ध संस्थान के प्रशासनिक कार्यालय व पर्यटक सुविधा केंद्र पर लगे बैनर आदि को फाड़कर नुकसान किया गया। जिसकी सूचना से नियंत्रित किया गया। महासचिव ने थानाध्यक्ष पंकज राय से मामले में समुचित कदम उठाने की माँग की। वहीं नगर पंचायत अध्यक्ष अशोक कुमार मुन्ना यादव ने कहा कि जब मेला व्यवस्था में कंट्रोल रूम अन्य व्यवस्था नगर पंचायत के सहयोग से गत 3 वर्षों से हो रहा है तब अनावश्यक लोग वसूली क्यों और कैसे करते हैं यह गलत है।

गांव दलौता में 29वें विश्व शांति श्री विष्णु महायज्ञ का भव्य आयोजन

मथुरा। चौमुहां ब्लॉक के अंतर्गत गांव दलौता स्थित श्रीराम मंदिर प्रांगण में श्री श्री 1008 महंत हनुमान दास जी महाराज के सानिध्य में 29वें विश्व शांति श्री विष्णु महायज्ञ का भव्य आयोजन श्रद्धा एवं धूमधाम के साथ किया जा रहा है। धार्मिक अनुष्ठान में क्षेत्र के श्रद्धालुओं की भारी भागीदारी देखने को मिल रही है।

यज्ञ के मुख्य आचार्य पं. निरंजन लाल शर्मा ने बताया कि महायज्ञ का शुभारंभ 18 मई को 151 कलश यात्रा के साथ विधि–विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच किया गया। प्रतिदिन प्रातःकाल भगवान शिव का महाअभिषेक किया जाता है, जिसके उपरांत वेद मंत्रों के साथ हवन–यज्ञ संपन्न कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अधिक मास में दान एवं यज्ञ का विशेष महत्व माना गया है।

महंत हनुमान दास जी महाराज ने कहा कि यज्ञ से विश्व शांति एवं जनकल्याण होता है। इससे वातावरण शुद्ध होता है तथा देवी–देवता प्रसन्न होकर समय पर वर्षा करते हैं, जिससे किसानों की अच्छी पैदावार होती है।

उन्होंने कहा कि धार्मिक अनुष्ठानों से सुख–समृद्धि, धन–धान्य एवं संतान प्राप्ति का आशीर्वाद मिलता है तथा अनेक प्रकार की बीमारियों और महामारी से भी रक्षा होती है।

महायज्ञ में मुख्य आचार्य पं. निरंजन लाल शर्मा, ओमप्रकाश शर्मा, गौरीशंकर शर्मा, रामबाबू शर्मा, रामेश्वर शर्मा एवं श्याम सुंदर शास्त्री सहित अन्य ब्राह्मणों द्वारा वैदिक रीति से यज्ञ संपन्न कराया जा रहा है।

आयोजन में मानसिंह मास्टर उर्फ मंगला, करुआ सिंह, नेत्रपाल सिंह, गुड्डू सिंह, भोपाली सिंह, मानवेंद्र सिंह, पवन सिंह, बृजमोहन सिंह, रघुगों सिंह सहित अन्य श्रद्धालुओं का विशेष सहयोग मिल रहा है।

महंत हनुमान दास जी महाराज ने बताया कि आगामी 25 मई को पूर्णाहुति एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा, जिसमें ब्रज क्षेत्र के संत–महंत एवं श्रद्धालुओं को सादर आमंत्रित किया गया है।

मायावती से मिलने पहुंचे कांग्रेस नेताओं की बढ़ी मुश्किलें, पार्टी ने जारी किया कराण बताओ नोटिस

लखनऊ (संवाददाता)। बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती के लखनऊ स्थित आवास पर मंगलवार शाम कांग्रेस के कई नेताओं का बिना तय कार्यक्रम और बिना आधि ाकारिक अनुमति के पहुंचना विवाद का कारण बन गया है और इस मामले में पार्टी ने उनसे स्पष्टीकरण भी मांगा है। कांग्रेस नेतृत्व के लिए और अधि ाक असहज स्थिति इस वजह से बनी कि यह दौरा पार्टी नेता राहुल गांधी की रायबरेली यात्रा के दौरान हुआ, लेकिन प्रतिनिधि ामंडल मायावती से मुलाकात नहीं कर सका। यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ, जब कुछ घंटे पहले ही समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने संकेत दिया था कि उनकी पार्टी का कांग्रेस के साथ गठबंधन 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव तक जारी रहेगा। मायावती के आवास पहुंचे नेताओं में कांग्रेस के अनुसूचित जाति विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र पाल गौतम और विभाग की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष एवं सांसद तनुज पुनिया शामिल थे। पुनिया ने बुधवार को कहा कि यह दौरा सद्भावना भेंट के तौर पर था। उन्होंने कहा, मंगलवार शाम लखनऊ में राजेंद्र पाल जी के नेतृत्व में पार्टी के अनुसूचित जाति विभाग की बैठक हुई थी। हमारा पार्टी कार्यालय बसपा प्रमुख के आवास के पास ही है। बैठक के बाद जब हम मायावती के घर के सामने से गुजर रहे थे, तो हमने सोचा कि उनसे शिष्टाचार मुलाकात कर ली जाए। वह भी हमारे ही समाज से आती हैं और वरिष्ठ नेता हैं। हालांकि, पुनिया ने स्वीकार किया कि प्रतिनिधिमंडल मायावती से मुलाकात नहीं कर सका। उन्होंने उन खबरों को भी खारिज किया, जिनमें कहा गया था कि दलित नेता राहुल गांधी का कोई संदेश लेकर मायावती के पास पहुंचे थे। पुनिया ने फोन पर कहा, यह सही नहीं है। मैं अभी राहुल जी के कार्यक्रम में रायबरेली में ही हूं। कांग्रेस के उत्तर प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडे ने कहा कि पार्टी ने इस मामले का संज्ञान लिया है। उन्होंने कहा, यह पार्टी का अधिकृत प्रतिनिधिमंडल नहीं था। पार्टी ने मामले को गंभीरता से लिया है और वहां जाने वाले नेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। पांडे ने यह भी कहा कि कांग्रेस मायावती का बहुत सम्मान करती है, लेकिन उनके आवास पर गए नेता अपनी व्यक्तिगत हैसियत से गए थे, पार्टी की ओर से नहीं।

जमीर बेचकर सरकारी जमीन पर डाका!

लखनऊ (संवाददाता)। मोहनलालगंज और पीजीआई क्षेत्र में चिरकुटई और मक्कारी का एक ऐसा कॉकटेल देखने को मिल रहा है, जिसकी मिसाल मिलना मुश्किल है। इस खेल का मुख्य मोहरा है इरशाद अहमद अंसारी, उसका रिश्तेदार मोहम्मद दानिश और इनका पूरा सिंडिकेट। एलडीए ने किसान पथ के किनारे इसकी जिस अवैध ा प्लाटिंग पर बुलडोजर चलाया है, वह तो इसके काले कारनामों का एक छोटा सा सिरा था। असली जालसाजी तो इतनी गहरी है कि यह दो कौड़ी का ठग, बिना किसी सरकारी रजिस्ट्रेशन और बिना रेरा अप्रूवल के, कागजों की ऐसी बाजीगरी कर रहा है जिसे देखकर अच्छे–भले कानूनविदों का सिर चकरा जाए। यह सीधे तौर पर सूबे की योगी सरकार और कानून व्यवस्था को खुला ठेंगा है।

फूलों की सुन्दर छटा

चित्रकार के चित्र में, कूँची रही उकेर।
कलियाँ खिल करके सुबह,लातीं सुखद सबेर।
लातीं सुखद सबेर, निहित जिसमें जीवन है।
मुस्कानों के साथ, सुखद पल का कीर्तन है।
सुन लो कहें प्रदीप, शब्द हैं गीतकार के।
महक रहे हैं फूल, चित्र में चित्रकार के।।

फूलों की सुन्दर छटा, बनकर सुखद सबेर।
खुशबू भर संसार में,शोभा रही बिखेर।
शोभा रही बिखेर,हर्ष की बनी पुस्तिका।
लिखती मधुर विचार,रंग भर नई तूलिका।
सुन लो कहें प्रदीप, न चाहत सम्मानों की।
अद्भुत है पहचान, यही पावन फूलों की।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

मई माह की काव्यगोष्ठी आज सम्पन्न

दिल्ली स शहर समता विचार मंच दिल्ली ईकाई की महिला काव्य गोष्ठी अफ़रोज अजीज के संयोजन एवं सीमा जी की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस गोष्ठी की मुख्य अतिथि सीमा जी रही। यह गोष्ठी सायंकाल 4 से 5 बजे तक चली जिसका शुभारंभ उमा जी की द्वारा माँ सरस्वती के चरणों

में वंदना कर के किया गया। इस काव्य गोष्ठी में मधु अरोरा, सरिता कपूर, मनोरमा श्रीवास्तव, पंकज चतुर्वेदी, उमा मिश्रा, सीमा कल्याण जी, सीमा सक्सेना जी , अफ़रोज अज़ीज जी एवं अर्चना झा अन्नू ने अपनी – अपनी रचनाओं को पढा। आयोजन में कई तरह की भावनाएं सुनने को मिली। सभी रचनाकारों की प्रस्तुती बेहद खास और प्रभावशाली रही। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन अर्चना झा ष्अन्नूष ने किया। कार्यक्रम के दौरान सीमा जी की अध्यक्षता एवं उमा मिश्रा की उपस्थिती सकारात्मकता का माहौल बना कर रखा। अंत में अफरोज अजीज ने रचनाकारों एवं अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन कर आयोजन का समापन किया।

एलयू वायरल ऑडियो कांड में एक्शन, छात्रा से आपत्तिजनक बातें करने वाला प्रोफेसर सस्पेंड

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ यूनिवर्सिटी में बीएससी थर्ड ईयर की छात्रा के उत्पीड़न और पेपर लीक के ऑडियो मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर परमजीत सिंह को निलंबित कर दिया गया है। विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद की बैठक में आरोपी के खिलाफ ये सख्त फैसला लिया गया है। यूनिवर्सिटी के परीक्षा नियंत्रक ने हसनगंज थाने में तहरीर दी ।इसी के आधार पर पुलिस ने पेपर लीक और अन्य धाराओं में एफआईआर दर्ज की है ।पुलिस ने आरोपी शिक्षक को कैंपस से ही हिरासत में लिया था। अगले दिन आरोपी को जेल भेज दिया था। छात्रा के आरोपों की जांच के लिए एक आईसीसी कमेटी का गठन किया गया था. कमेटी ने छात्रा के आरोपों की जांच कर अपनी रिपोर्ट कार्य समिति को सौंपी। तीन सदस्यीय उच्चस्तरीय अनुशासन जांच समिति गठित की गई। समिति की अंतरिम रिपोर्ट में डॉ. परमजीत सिंह को प्रथम दृष्टया चार गंभीर आरोपों में दोषी पाया गया। रिपोर्ट के अनुसार आरोपी शिक्षक ने छात्रा को पेपर लीक का लालच देकर यौन शोषण का प्रयास किया और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया ।जांच में साफ हुआ कि आरोपी ने गोपनीय परीक्षा सूचनाएं साझा करने की बात कमेटी के सामने स्वीकार कर ली है। विश्वविद्यालय प्रशासन का मानना है कि शिक्षक के आचरण से संस्थान की सामाजिक और अकादमिक प्रतिष्ठा को गंभीर ठेस पहुंची है।

प्रयागराज-दादर साप्ताहिक सुपरफास्ट ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ी का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित ग्रीष्मकालीन साप्ताहिक सुपरफास्ट विशेष रेलगाड़ी के संचालन का निर्णय लिया गया है। जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी सं. 04139/04140 प्रयागराज-दादर (साप्ताहिक) सुपरफास्ट ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या - 04139		गाड़ी संख्या - 04140	
प्रयागराज - दादर		दादर - प्रयागराज	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
-----	17:10	प्रयागराज	05:00	-----
18:38	18:40	फतेहपुर	02:58	03:00
20:15	20:20	गोविन्दपुरी	01:45	01:50
22:38	22:40	इटावा	22:48	22:50
00:25	00:30	टूण्डला	21:30	21:35
01:20	01:25	ईदगाह	19:10	19:15
02:00	02:02	फतेहपुर सीकरी	18:20	18:22
02:18	02:20	रूपबास	18:03	18:05
04:08	04:10	बयाना	17:30	17:32
05:00	05:05	गंगापुर सिटी	16:05	16:10
05:40	05:42	सवाई माधोपुर	15:00	15:02
06:50	07:00	कोटा	14:00	14:10
10:35	10:40	रतलाम	09:30	09:35
15:25	15:30	वडोदरा	06:07	06:12
17:49	17:54	सूरत	04:17	04:22
19:54	19:56	वापी	02:38	02:40
21:42	21:45	बोरीवली	00:40	00:43
22:40	-----	दादर	-----	00:15

• प्रयागराज से गाड़ी संख्या 04139, प्रत्येक शुक्रवार, दिनांक : 22.05.2026 से 10.07.2026, • दादर से गाड़ी संख्या 04140, प्रत्येक रविवार, दिनांक : 24.05.2026 से 12.07.2026 • गाड़ी संरचना : सामान्य श्रेणी : 08, स्लीपर श्रेणी : 09, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी : 04, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी : 01

नोट: ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाईन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

North central railways @www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR 1143/26(AS)

सम्पादकीय.....

सनातन विरोध की राजनीति पर जनता का लोकतांत्रिक प्रहार

सोचिए उस माली की मूर्खता को, जो उस वृक्ष की जड़ें काटने निकलता है, जिसकी छांव में वह स्वयं पला–बढ़ा हो। भारत की राजनीति में पिछले कुछ वर्षों में कुछ ऐसा ही दृश्य देखने को मिला। एक तरफ वह सनातन, जो हजारों वर्षों की तपस्या, त्याग और ज्ञान की नींव पर खड़ा है, जो इस देश की सांसों में रचा–बसा है और दूसरी तरफ कुछ ऐसे राजनेता, जिन्होंने वोट की भूख में अंधे होकर इसी सनातन को अपशब्द कहना, हिंदू आस्था को कोसना और भारत की आत्मा को ललकारना अपनी राजनीति का हथियार बना लिया। उन्हें लगा, हिंदू समाज बिखरा हुआ है, आस्था को रौंदते रहो, कोई प्रतिकार नहीं होगा। लेकिन यह देश गीता की भूमि है। यहां लिखा है–'यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत। अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्' जब–जब धर्म की हानि होती है और अधर्म का उत्थान होता है, तब एक शक्ति जागती है। इस बार वह शक्ति किसी रणक्षेत्र में नहीं, मतपेटी में जागी और जनता ने वह जवाब दिया, जिसकी इन नेताओं ने कल्पना भी नहीं की थी। सबसे बड़ा उदाहरण तमिलनाडु की राजनीति से सामने आया, जहां द्रमुक नेताओं ने खुले मंचों से सनातन धर्म को 'डेंगू और मलेरिया' जैसी बीमारी तक कह दिया। द्रमुक के ही एक अन्य वरिष्ठ नेता ए. राजा ने इससे भी आगे बढ़कर सनातन की तुलना 'एच. आई.वी.' और 'कुष्ठ रोग' जैसी बीमारियों से कर दी। द्रमुक के प्रवक्ता कॉन्स्टेंटाइन रवींद्रन ने सनातन धर्म को उत्तर प्रदेश और बिहार के लोगों की 'बुद्धि की कमी' का कारण बता दिया और अब इस सनातन–विरोधी राजनीति में एक नया और चिंताजनक अध्याय जुड़ गया है। तमिलनाडु में अभिनेता विजय की पार्टी टी.वी.के. ने हाल ही में सरकार बनाई लेकिन सत्ता की कुर्सी गर्म होने से पहले ही इस दल के नेताओं ने सनातन के विरुद्ध अपना असली चेहरा दिखाना शुरू कर दिया। टी.वी.के. के विधायक और तमिलनाडु मुस्लिम लीग के संस्थापक अध्यक्ष वी.एम.एस. मुस्तफा ने खुले मंच से घोषणा की, 'सनातन को समाप्त करने के लिए ही हम रणक्षेत्र में उतरे हैं।' जो पार्टी अभी–अभी जनता का विश्वास लेकर सत्ता में आई, उसके नेता पहले ही दिन से सनातन को मिटाने की भाषा बोलने लगें, यह तमिलनाडु की जनता के साथ विश्वासघात है और पूरे देश के लिए एक कड़ी चेतावनी। देश ने यह सब देखा और समझ लिया कि यह केवल राजनीतिक बयानबाजी नहीं बल्कि भारत की सांस्कृतिक जड़ों को कमजोर करने की सुनियोजित मानसिकता है। कम्युनिस्ट पार्टियों ने दशकों तक नास्तिकता के नाम पर सनातन परंपराओं का वैचारिक विरोध किया। इनके नेताओं और समर्थक बुद्धिजीवियों ने हिंदू रीति–रिवाजों, मंदिर परंपराओं और आध्यात्मिक आस्थाओं को बार–बार पिछड़ेपन, असमानता और सामाजिक उत्पीडन से जोडने का प्रयास किया। बिहार में रामचरितमानस जैसे पूजनीय ग्रंथ पर आर.जे.डी. से जुड़े नेताओं द्वारा अमर्यादित टिप्पणियां की गईं। यह केवल एक पुस्तक पर टिप्पणी नहीं थी, बल्कि उस सांस्कृतिक चेतना पर हमला था, जो भारत को जोड़ती है। सत्ता के नशे में चूर नेताओं को लगा कि हिंदू समाज चुप रहेगा, लेकिन लोकतंत्र में जनता सब देखती है और समय आने पर जवाब भी देती है। समाजवादी पार्टी और उसके सहयोगी दलों से जुड़े कई नेताओं ने भी समय–समय पर हिंदू प्रतीकों और धार्मिक नारों पर सवाल उठाए। इस हिंदू–विरोधी नैरेटिव में देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व भी पीछे नहीं रहा। राहुल गांधी ने विदेशी धरती पर जाकर भगवान राम को मात्र एक 'पौराणिक पात्र' बता दिया और करोड़ों हिंदुओं के 500 वर्षों के संघर्ष के बाद हुए राम मंदिर प्राण–प्रतिष्ठा समारोह को 'नाच–गाना' कहकर उसका भद्दा मजाक उड़ाया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था के केंद्र 'महाकुंभ' में गंगा स्नान का उपहास उड़ाया और चुनावी रैलियों में भगवा वस्त्र धारण करने वाले संतों को राजनीति से बाहर निकलने की धमकी दी। कांग्रेस नेता प्रियांक खरगे ने भी सनातन को बीमारी बताया था। उत्तराखंड में कांग्रेस के एक नेता ने तो यहां तक कह दिया कि 'कोरोना' भगवान कृष्ण ने भेजा था। वहीं महाराष्ट्र में इंडिया गठबंधन के सहयोगी एन.सी.पी. नेता जितेंद्र आव्हाड ने रामनवमी और हनुमान जन्मोत्सव को 'दंगे भड़काने वाले' त्यौहार बताकर हिंदू पर्वों को ही कटघरे में खड़ा कर दिया। पश्चिम बंगाल में स्थिति और भी चिंताजनक रही। वहां रामभक्तों पर हमले हुए, धार्मिक जलूसों को रोका गया और हिंदू आस्था को बार–बार अपमानित करने की घटनाएं सामने आईं। टी.एम.सी. की सांसद महुआ मोइत्रा ने सार्वजनिक मंच से मां काली के स्वरूप को लेकर बेहद अपमानजनक और अमर्यादित टिप्पणियां कीं। रामचरितमानस की प्रतियां जलाने जैसी घटनाओं ने पूरे देश को झकझोर दिया। इंडिया गठबंधन के घटक दलों का यह दुरूस्साहस केरल तक भी पहुंचा, जहां कांग्रेस की सहयोगी इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के यूथ विंग ने एक रैली में खुलेआम नारे लगाए कि 'हिंदुओं को मंदिरों में फांसी पर लटका दिया जाएगा और जिंदा जला दिया जाएगा।' पिछले 10 वर्षों में देश ने एक बड़ा बदलाव देखा है। जनता अब केवल जाति, क्षेत्र और तुष्टिकरण की राजनीति से प्रभावित नहीं होती, बल्कि यह भी देखती है कि कौन उसकी आस्था और संस्कृति का सम्मान करता है और कौन अपमान। इसिलिए जिन दलों और नेताओं ने सनातन के खिलाफ जहर उगला, उन्हें जनता ने लगातार लोकतांत्रिक रूप से सबक सिखाया और अपनी वोट की ताकत से सत्ता से बाहर कर दिया।

ईरान और इजरायल के बीच है, असली अदावत

विवेकानंद माथने

ईरान और इजरायल के बीच संघर्ष विचारधारा, साम्राज्यवाद–विरोध, धार्मिक मान्यताओं और क्षेत्रीय वर्चस्व की लंबी ऐतिहासिक प्रक्रिया का परिणाम है। सवाल है कि 1979 के बाद ईरान इस संघर्ष में कैसे सक्रिय हुआ, उसकी वैचारिक दिशा क्या रही और किस प्रकार यह संघर्ष समय के साथ गहराता हुआ आज व्यापक क्षेत्रीय टकराव का रूप ले चुका है? 1948 में फिलिस्तीन की भूमि पर इजरायल की स्थापना के बाद, फिलिस्तीनियों द्वारा अपनी जमीन और अधिकारों को पुनरू प्राप्त करने के प्रयासों के साथ संघर्ष के एक नए दौर की शुरुआत हुई। इस संघर्ष के दौरान इजरायल अपनी सैन्य शक्ति के बल पर लगातार सीमाओं का विस्तार करता गया और फिलिस्तीनियों को उनके ही मूल क्षेत्रों से पीछे धकेलता रहा। विडंबना यह रही कि इन मुद्दों पर वैश्विक प्रतिक्रिया सीमित और असंगत रही है। लोकतंत्र और मानवाधिकारों की रक्षा का दावा करने वाले किसी भी देश ने इजरायल की विस्तारवादी नीति का विरोध और फिलिस्तीनियों के अधिकारों को बहाल करने के लिए प्रभावी और निर्णायक हस्तक्षेप नहीं किया। 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद ईरान में इस्लामी गणराज्य की स्थापना हुई। नई सरकार ने शाह के शासनकाल में इजरायल के साथ रहे सभी संबंधों को पूरी तरह समाप्त कर दिया। ईरान ने इजरायल को श्छोटा शैतानश और अमेरिका को बड़ा शैतान की संज्ञा देते हुए इजरायल को एक अवैध राष्ट्र घोषित कर दिया। इसके साथ ही ईरान ने इजरायल के साथ सभी राजनयिक संबंध भी खत्म कर दिए। यहीं से इजरायल और अमेरिका के विरुद्ध ईरान के वैचारिक विरोध की स्पष्ट शुरुआत हुई। इस्लामी क्रांति के बाद ईरान ने दुनिया के उपेक्षित, दबे–कुचले समुदायों के समर्थन को अपनी विदेश नीति का आधार बनाया। ईरान के अनुसार फिलिस्तीनियों को उत्पीड़ित करके अपनी ही जमीन पर कैदी बना दिया गया है। वह उन लोगों की मदद कर रहा है, जिन्हें दुनिया ने उनके हाल पर छोड़ दिया है। इन परिस्थितियों में ईरान के लिए सशस्त्र प्रतिरोध एक प्रमुख रणनीति के रूप में उभरा। 1982 में लेबनान पर इजरायल के आक्रमण के बाद ईरान ने हिज्बुल्लाह के गठन में सहयोग दिया, जिससे इजरायल की उत्तरी सीमा पर एक नया दबाव बना। बाद में उसने हमास सहित अन्य समूहों को समर्थन देकर प्रत्यक्ष युद्ध के बजाय प्रॉक्सी युद्ध की रणनीति अपनाई। ईरान ने मध्य–पूर्व में अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए इजरायल की सीमाओं के निकट प्रतिरोध की धुरी (एक्सिस ऑफ रेसिसटेंस) का गठन किया, जिसमें सीरिया की सरकार, लेबनान का हिजबुल्लाह, गाजा का हमास और यमन के हूती विद्रोही शामिल हैं। इनका मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में इजरायल और अमेरिकी प्रभाव का विरोध करना तथा फिलिस्तीनी संघर्ष का समर्थन करते हुए उनकी भूमि वापस पाना है। अमेरिका ने ईरान के पड़ोसी देशों में अपने सैन्य ठिकाने स्थापित कर क्षेत्र में महाशक्ति के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है और दबाव बनाए रखा है। वहीं, इजरायल श्संयुक्त राष्ट्र संघश के प्रस्तावों का उल्लंघन करते हुए वेस्ट बैंक में बस्तियों का विस्तार और गाजा की घेराबंदी जारी रखे हुए है। कई विश्लेषकों के अनुसार, यह संघर्ष केवल भूभाग का नहीं, बल्कि क्षेत्रीय प्रभाव और प्रभुत्व की प्रतिस्पर्धा का भी है। ईरान का मानना है कि इजरायल केवल एक देश नहीं, बल्कि मध्य–पूर्व में अमेरिका और पश्चिमी शक्तियों की एक अग्रिम चौकी है। उसके अनुसार, इजरायल का गठन इस क्षेत्र के संसाधनों पर नियंत्रण रखने और मुस्लिम देशों को कमजोर करने के लिए एक औपनिवेशिक परियोजना के तहत किया गया है। ईरान इस संघर्ष को साम्राज्यवाद और अन्याय के खिलाफ एक व्यापक लड़ाई के रूप में देखता है। इसी संदर्भ में उसने श्अल–कुद्स दिवसश की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य फिलिस्तीन के समर्थन में वैश्विक एकजुटता को मजबूत करना है। दूसरी ओर, इजरायल इस पूरे परिदृश्य को अपनी सुरक्षा के दृष्टिकोण से देखता है। अपनी स्थापना के बाद से ही उसे अपने अस्तित्व के लिए लगातार युद्धों और हमलों का सामना करना पड़ा है। इसलिए वह अपनी सैन्य ताकत, खुफिया नेटवर्क और तकनीकी श्रेष्ठता को बनाए रखने की नीति अपनाता है और विशेष रूप से ईरान जैसे विरोधी देशों को कमजोर करने की रणनीति पर भी काम करता है। परमाणु कार्यक्रम इस संघर्ष का एक और केंद्रीय मुद्दा है। इजरायल के पास अघोषित रूप से परमाणु हथियार हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय समुदाय उस पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाता, वहीं ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध लगाए गए हैं। ईरान इसे पश्चिमी देशों का दोहरा मापदंड मानता है, जबकि इजरायल का मानना है कि यदि ईरान परमाणु हथियार विकसित कर लेता है, तो उसके अस्तित्व को खतरा पैदा हो जाएगा।

ईरान का आरोप है कि इजरायल उसके खिलाफ एक गुप्त युद्ध चला रहा है। ईरानी परमाणु वैज्ञानिकों की हत्याओं, साइबर हमलों और सैन्य ठिकानों पर हमलों के पीछे इजरायल की भूमिका मानी जाती है। इजरायल द्वारा सीरिया में ईरानी ठिकानों पर किए गए हवाई हमलों को भी ईरान अपनी संप्रभुता पर हमला मानता है। 7 अक्टूबर 2023 को श्हमासश ने इजरायल पर हमला किया। इस हमले में बड़ी संख्या में इजरायली नागरिकों की मौत हुई और सैकड़ों लोगों को बंधक बनाया गया। इसके बाद इजरायल ने गाजा में व्यापक सैन्य अभियान शुरू किया, जिसमें अब तक 75,000 से अधिक निर्दोष फिलिस्तीनी नागरिक मारे गए, इनमें बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। गाजा के लगभग 19 लाख लोग विस्थापित हो चुके हैं। इसके मानवीय प्रभावों को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गंभीर चिंताएं व्यक्त की गईं हैं। 2024 में अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने एक राय दी थी, जिसमें 1967 से फिलिस्तीनी क्षेत्रों (गाजा पट्टी, वेस्ट बैंक और पूर्वी यरुशलम) पर इजरायल के कब्जे को अवैध बताया गया था और बस्तियों के विस्तार को अंतरराष्ट्रीय कानून के विरुद्ध माना गया था। हालांकि, इसका क्रियान्वयन संयुक्त राष्ट्र संघश और उसके सदस्य देशों की राजनीतिक इच्छाशक्ति पर निर्भर करता है। फिलहाल यह संघर्ष फिलिस्तीनियों की भूमि और अधिकारों की लड़ाई, ईरान के क्षेत्रीय प्रभाव और वैचारिक प्रतिबद्धता तथा इजरायल की सुरक्षा और अस्तित्व संबंधी चिंताओं को उजागर करता है। ईरान इसे अन्याय और विदेशी वर्चस्व के विरुद्ध श्प्रतिरोध की लड़ाईश के रूप में प्रस्तुत करता है, जो उसके लिए आत्मसम्मान और न्याय का प्रश्न है। दूसरी ओर, इजरायल अपनी सैन्य और तकनीकी श्रेष्ठता के सहारे स्वयं को सुरक्षित रखना चाहता हैय उसके लिए यह संघर्ष अपने अस्तित्व और सुरक्षा को बनाए रखने का एक अनिवार्य प्रयास है। स्पष्ट है कि यह संघर्ष केवल सीमाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि इतिहास, राजनीति, सुरक्षा और न्याय की परस्पर विरोधी धारणाओं का परिणाम है। जब तक इन बुनियादी प्रश्नों का कोई न्यायपूर्ण और सर्वमान्य समाधान नहीं निकलता, तब तक यह टकराव न केवल जारी रहेगा, बल्कि भविष्य में और भी अधिक व्यापक और विनाशकारी रूप ले सकता है।

लोककथाओं में समाज की नैतिक चेतना

अंजलि श्रीवास्तव
प्रयागराज

लोककथाएं समाज की सामुहिक स्मृति और नैतिक अनुभव की वाहक रही हैं।

हिंदी आलोचक रामचंद्र शुक्ल के अनुसार लोकसाहित्य जन–जीवन की चेतना का स्वाभाविक अभिव्यक्ति रुप है।

लोककथाएं समाज की जड़ों से जुड़ी हुई जीवित परंपरा है उनमें लोकबुद्धि, जीवन अनुभव और नैतिक संतुलन सुरक्षित रहता है।

मानव सभ्यता के विकास के साथ कहानी कहने की परंपरा विकसित हुई। लिखित साहित्य से पहले मनुष्य अपने अनुभव, विश्वास और जीवन नियमों को कथा के माध्यम से अगली पीढ़ी तक पहुंचाया। यही कथाएं आगे चलकर लोक कथाएं कहलाईं। यह कथाएं समाज के नैतिक मूल्य जीवन दर्शन व्यावहारिक बुद्धि की वाहक होती है जिसमें उनके जीवन की शिक्षा छिपी होती है।

लोकथाओं में सत्य और सामाजिक संतुलन के मूल्य पीढ़ी दर पीढ़ी संप्रेषित होते हैं

विद्वान हज़ारी प्रसाद द्विवेदी लोक–संस्कृति को समाज के नैतिक संरचना का आधार मानते हैं। लोककथाएं उस समय की सामाजिक संरचना आर्थिक स्थिति और सांस्कृतिक विश्वासों को प्रकट करते हैं गांव, चौपाल, आंगन, खेत खलिहान और यात्राओं के दौरान कहानियां खूब सुनाई जाती थी और यह स्मृति के रूप में बनती गई। इन कथाओं में राजा–रानी किसान ,पशु–पक्षी ,साधु–गरीब और बुद्धिमान पात्र मिलते हैं। यह विविधता दर्शाती है कि लोककथा समाज के हर वर्ग की आवाज़ है।

लोककथा का उद्देश्य केवल कहानी कहना नहीं बल्कि बताना होता है कि कैसे जीवन श्रेष्ठ बनाया जाए।

लोककथाएं केवल नैतिक चेतना बोध ही नहीं कराती बल्कि वे समाज में स्थापित नैतिक मूल्यों की अवधारणा को भी निर्मित करती हैं।

लोककथाएं सुनते समय श्रोता बिना उपदेश के नैतिक शिक्षा ग्रहण करता है

यही लोक साहित्य की सबसे बड़ी शक्ति है। अधिकांश लोककथाओं में सत्य अंततः विजयी होता है चाहे पात्र गरीब हो या कमजोर उसकी ईमानदारी उसे सम्मान दिलाता है। ऐसी कथाएं बच्चों और समाज को यह विश्वास देती है कि अन्याय स्थाई नहीं होता। लोककथा समाज में न्याय की आशा को जीवित रखते हैं।

उदाहरण के रूप में कई लोककथाओं में लालची व्यक्ति दंड पाता है और सरल हृदय पात्र सुखी जीवन प्राप्त करता है।

यह समाज के नैतिक संतुलन को दर्शाता है।

लोककथाएं श्रम को सम्मान देती हैं किसान चरवाहा लकड़हारा या साधारण स्त्री अक्सर कथा का नायक बनती है। इसमें समाज यह संदेश देता है की महानता जन्म से नहीं कर्म से बनती है।

एक प्रसिद्ध कथा में किसान अपने पुत्रों को परिश्रम का महत्व समझाने के लिए खेत में छुपे धन की बात करता है। वे खेत खोदते हैं और समझते हैं, वास्तविक संपत्ति श्रम से प्राप्त फसल ही है।

लोककथाएं हमें यह सिखाती हैं की मेहनत और ईमानदारी से जीवन चलने वाला व्यक्ति ही सच्चा आदर्श है।

भारतीय लोककथाओं में पशु–पक्षी का महत्वपूर्ण स्थान रहा ,बोलते हुए पशु केवल कल्पना नहीं है यह मनुष्य के भीतर नैतिक संवेदना के प्रतीक हैं। जब मनुष्य पशु की सहायता करता है और बाद में वही पशु उसकी मदद करता है तब कथा यह संदेश देती है कि संसार परस्पर सहयोग से चलता है ।

लोक कथाओं में स्त्री केवल पीड़ित पात्र नहीं होते वह बुद्धिमान धैर्य और नैतिक शक्ति का केंद्र भी होती है। कई कथाओं में स्त्री अपनी बुद्धि से संकट हल कर लेती है ।लोककथा समाज को यह संदेश देती है कि परिवार और समाज के नैतिक नींव स्त्री की संवेदना और विवेक पर टिकती है।

यह हमें आदर्शवाद के साथ व्यावहारिक बुद्धि सिखाती है। कई लोककथाओं में चतुर पात्र कठिन परिस्थितियों से बुद्धि के बल पर निकलता है। यह लोक अनुभव का सार है ।–केवल नैतिक का होना पर्याप्त नहीं, विवेकशील होना भी आवश्यक है। लोककथा जीवन के जटिलताओं को सरल उदाहरण से समझाती है।

लोककथाएं व्यक्ति को समाज से जोड़ती हैं जहां उनके परिवार समुदाय और परंपरा का महत्व दिखाई देता है। समाज के नियमों का उल्लंघन करने वाला पात्र अक्सर संकट में पड़ता है। इस प्रकार लोककथा सामाजिक अनुशासन को सहज रूप स्थापित करती हैं।

आधुनिक समय में पर्यावरण संकट की चर्चा नई लगती है ,लेकिन लोककथाओं में प्रकृति संरक्षण का विचार पहले से मौजूद है। वृक्ष, नदी, पर्वत और पशु पवित्र माने जाते हैं।

लोककथा में वर्णन मिलता है कि गांव का एक व्यक्ति फल देने वाले वृक्ष को काटना चाहता है, किंतु ग्रामवासी उसे रोकते हैं क्योंकि यह वृक्ष पूरे समुदाय की जीवन छाया और जल संतुलन का आधार था। जल स्रोतों की रक्षा समाज की नैतिक जिम्मेदारी है।

कथाएं सिखाती हैं की प्रकृति का सम्मान करना ही मानव अस्तित्व की सुरक्षा है।

भारतीय लोककथाएं सदियों से पुरानी होने के बाद भी आधुनिक रूप से प्रासंगिक बनी हुई हैं। मानव प्रकृति नैतिकता एवं सामाजिक मूल्यों के बारे में इनकी शिक्षाएं आज भी प्रतिध्वनित होती है। और समकालिक जीवन की जटिलताओं से निपटने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करतीहैं।

अकबर बीरबल की एक प्रसिद्ध कहानी में, बीरबल तार्किक तरीके से यह सिद्ध करता है की बुद्धिमत्ता केवल ज्ञान तक सीमित नहीं होती बल्कि यह विवेक विनम्रता और समस्याओं को रचनात्मक रूप से हल करने की क्षमता से भी संबंध रखता है।

यह कहानी आज के समय में भी अत्यंत प्रासंगिक है।

आज लोककथाओं को संकलित करना पुनर्लेखन करना और नई पीढ़ी तक पहुंचाना आवश्यक है। लोककथा केवल अतीत नहीं है, वह वर्तमान समाज के नैतिक दिशा भी निर्धारित कर सकती है। लेखक का दायित्व है कि लोक परंपरा को सम्मान देते हुए ,उसे नए संदर्भों में प्रस्तुत करे।

लोककथाएं समाज की आत्मा है वे ना तो केवल कल्पना है और नहीं केवल मनोरंजन । वे मानव अनुभवों का नैतिक संकलन है जिनसे जीवन के मूल्य सुरक्षित रहते हैं। सामाजिक संतुलन ये सब लोककथाओं के माध्यम से पीढ़ी दर पीढ़ी जीवित रहते हैं ।इसलिए कहा जा सकता है लोक कथाएं समाज की नैतिक चेतना की सबसे सशक्त वाहक है।जब तक लोककथाएं जीवित हैं तब तक समाज अपनी मानवीय संवेदना से जुड़ा रहेगा।

लोककथा का उद्देश्य यह बताना होता है कि जीवन कैसे श्रेष्ठ माना गया।

संदर्भ

रामचंद्र शुक्ल– लोकसाहित्य का इतिहास

हजारी प्रसाद द्विवेदी– लोक संस्कृति और साहित्य।

सीमा वर्णिका की कलम से

मदारी के बंदर

मदारी जोर जोर से डमरु बजा रहा था। भीड़ चारों ओर से घेरे थी। दिन भर के भूखे प्यासे बंदर करतब दिखाने को तैयार नहीं थे।

रामू नाच के दिखा.. राधा रूठी है मना कर ला, मदारी बेंत पटक पटक कर बंदरों को निर्देश दे रहा था।

ओह्ह मेरे बच्चों को भूख लगी है, कुछ सोचते हुए मदारी ने पोटली से कुछ चने निकाल कर बंदरों के सामने डाल दिए।

बंदर झपटे जिसने जितना जो पाया गपक लिया।

चलो चलो हो गया खाना पानी अब नाच कर दिखाओ, थोड़ा सा गर्म होते हुए मदारी बेंत जमीन पर पटकते हुए बोला।

भीड़ छँटने लगी थी लोग बोर हो रहे थे। मदारी की निराशा चरम पर थी।

आज ज्यादा दिमाग खराब हो गया तुम सब का, उसने जमीन की जगह जोर से एक बंदर को बेंत से मारा।

बंदर जोर से गुर्रा कर कूदा। मदारी के हाथ से डोरी की पकड़ ढीली पड़ गई।

बंदरों की भगदड़ से भीड़ में अफरा–तफरी मच गई।

अरे! कहां जा रहे हो तुम लोग ..अच्छा वापस आ जाओ.. अब नहीं मारेंगे, मदारी चिल्ला रहा था।

लोग भयभीत होकर अपने घरों में घुस गए।

बंदरों के भाग जाने से मदारी सिर धुन रहा था कि अब उसके बाल बच्चों का पेट कैसे भरेगा।

–सीमा वर्णिका,
कानपुर

सर्वोच्च न्यायालय ने पूछा- चुनाव आयोग की 'स्वतंत्रता को लेकर यह दिखावा क्यों?'

डॉ. ज्ञान पाठक

विपक्ष हमेशा से यह दावा करता रहा है कि भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नियंत्रित कर रहे हैं और ईसीआई यह पक्का करने के लिए काम कर रहा है कि देश में भाजपा चुनाव जीते। अब भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने पूछा है कि ईसीआई की श्स्वतंत्रता को लेकर यह दिखावा क्यों?श यह सवाल हमें फिर से सोचने पर मजबूर करता है कि क्या मोदी के जमाने में चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष हैं, विशेषकर पिछले कई सालों में सर्वोच्च न्यायालय के फैसलों और टिप्पणियों के आलोक में? सर्वोच्च न्यायालय अभी चीफ इलेक्शन कमिश्नर एंड अदर इलेक्शन कमिश्नर (अपॉइंटमेंट, कंडीशंस ऑफ सर्विस और टर्म ऑफ ऑफिस) एक्ट, 2023 को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है, जो 2024 के लोकसभा चुनाव से ठीक पहले पास हुआ था। बेंच ने कहा कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव एक सचमुच स्वतंत्र ईसीआई पर ही निर्भर करते हैं। सुनवाई के दौरान बेंच ने प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली चयन समिति में श्एक भी बिल्कुल निष्पक्ष व्यक्तिश की गैरमौजूदगी की ओर इशारा किया। कमेटी में कैबिनेट मंत्री की मौजूदगी पर भी बेंच ने सवाल उठाया और कहा कि ऐसे मंत्री से प्रधानमंत्री की बात न मानने की उम्मीद नहीं की जा सकती, और पूछा कि क्या कमेटी में विपक्ष के नेता की मौजूदगी सिर्फ श्दिखावटीश है। चूंकि मुख्य और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति कार्यपालिका द्वारा 2रू1को बहुमत से असरदार तरीके से की जा सकती है, तो चुनाव आयुक्तों की श्आजादी का यह दिखावा क्यों? बेंच ने कहा कि अगर भारत के मुख्य न्यायाधीश सीबीआई निदेशक की नियुक्ति प्रक्रिया का हिस्सा हो सकते हैं, तो मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्तियों के लिए एक स्वतंत्र प्रक्रिया क्यों नहीं अपनायी जा सकती, जो ज्यादा जरूरी है क्योंकि इसका सीधा संबंध –लोकतंत्र और स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव को बनाए रखने से है। सर्वोच्च न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया कि ईसीआई को न सिर्फ निष्पक्ष होना चाहिए बल्कि अपने काम में निष्पक्ष दिखना भी चाहिए। यह ध्यान देने वाली बात है कि पहले मुख्य न्यायाधीश चयन समिति का हिस्सा हुआ करते थे लेकिन मोदी सरकार ने सीजेआई को इस कमेटी से हटा दिया। मौजूदा ढांचे के तहत, सरकार श्अपनी पसंद के व्यक्ति को नियुक्त कर सकती है। इसलिए मौजूदा मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्तियां जनता को भरोसेमंद नहीं लगतीं। बेंच के इस टिप्पणी का राजनीतिक महत्व है क्योंकि इसने ईसीआई पर कार्यपालिका के असर, भेदभाव दिखने, और क्या स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए संस्थागत सुरक्षा को कमजोर किया जा रहा है, इस बारे में गंभीर न्यायिक चिंता का संकेत दिया है।

60 का हुआ हूं, लेकिन लड़ना नहीं भूला', आखिर किस पर भड़के सलमान खान ? बोले- पिक्चर से ज्यादा जिंदगी जरूरी है

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान इन दिनों सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। बीती रात सलमान खान को मुंबई के हिंदुजा अस्पताल के बाहर देखा गया। इस दौरान जब वहां मौजूद पैपराजी ने उन्हें अपने कैमरे में कैद करने की कोशिश की, तो भाईजान काफी भड़क गए और उन्होंने पैप्स को जमकर फटकार लगा दी। लेकिन ऐसा लगता है कि सलमान का गुस्सा इतने पर ही शांत नहीं हुआ, बाद में उन्होंने सोशल मीडिया पर भी कई पोस्ट के जरिए अपनी बात रखी और पैप्स को वहां भी फटकार लगाई। सलमान खान ने देर रात लगभग तीन बजे के करीब सोशल मीडिया पर कई पोस्ट किए। इनमें सलमान ने अलग–अलग एक्सप्रेशन के साथ अपनी सेल्फी पोस्ट कीं। साथ ही उन्होंने अस्पताल के बाहर पैपराजी के खड़े होने को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की। पहली पोस्ट में सलमान ने अपनी सेल्फी के साथ लिखा, 'अगर मैंने किसी प्रेस को अस्पताल में मेरे दर्द का मजा लेते हुए देखा, जिस प्रेस के लिए मैं खड़ा रहा हूं, जिसके साथ मैंने बातचीत की है, जिसकी देखभाल की है और यह सुनिश्चित किया है कि वे भी अपनी रोजी–रोटी कमा सकें।' यही नहीं सलमान ने अपनी आगामी फिल्म 'मातृभूमि' की परवाह न करते हुए जिंदगी को फिल्म से ज्यादा जरूरी बताया। अगली पोस्ट में अगली सेल्फी के साथ भाईजान ने आगे लिखा, 'लेकिन अगर वे मेरे नुकसान से पैसा कमाना चाहते हैं, तो चुप रहो, मजे न लो। पिक्चर ज्यादा जरूरी है या जिंदगी।' सलमान यहीं नहीं रुके, उन्होंने आगे और भी पोस्ट किए जिनमें अपनी नाराजगी जाहिर की। एक अन्य मुस्कुराती सेल्फी के साथ सलमान ने लिखा, 'ऐसे मैं सौ जला दूंगा। भाई के एक भाई के दुख पर अगली बार। कोशिश कर लेना मेरे साथ, बस कोशिश कर लेना। जब भी तुम्हारा कोई अस्पताल में होगा, क्या मैं ऐसा रिएक्ट करूंगा?' सलमान खान ने आगे अपनी उम्र का हवाला देते हुए ये भी याद दिलाया कि वो अभी भी लड़ना नहीं भूले हैं। सलमान ने एक गंभीर मुद्रा की सेल्फी के साथ लिखा, 'साठ साल का हो गया हूं, लेकिन लड़ना नहीं भूला ये याद रख लेना। जेल में डालोगे, हा हा३।' इससे पहले हिंदुजा अस्पताल के बाहर से सलमान खान के वीडियो सामने आए थे, जहां वो बार–बार पैपराजी के चिल्लाने और फोटो लेने को लेकर नाराज नजर आए थे।

9 साल बाद भारती सिंह और हर्ष के रिश्ते में आई दरार? बोलीं– हम साथ नहीं रह सकते

कॉमेडियन भारती सिंह और हर्ष हमेशा से ही क्यूट कपल्स की लिस्ट में आते हैं। अपनी बातों के अंदाज से भारती से बहुत लोगों का दिल जीता है। अपने यूट्यूब ब्लॉग्स के माध्यम से भारती अपनी लाइफ की अपडेट अपने फैंस को देती रहती हैं लेकिन हाल ही में कुछ ऐसा ब्यान सामने आया है, जिसकी वजह से हर जगह बस उन्हीं के चर्चे हो रहे हैं। अपने इस बयान में उन्होंने अपने और हर्ष के बारे में बात की है और कहा है कि अब मुझे इरिटेशन होने लगी है। भारती सिंह ने अपने व्लॉग में बोला कि, दोस्तों अब में हर्ष के साथ नहीं रह सकती, ऐसी बहुत सी चीजें है जो मुझे अब परेशान करने लगी हैं। हर्ष की हरकतों की वजह से मुझे अब परेशानी होने लगी है और हम जल्द ही अलग होने का फैसला ले रहे हैं। इसी के साथ उन्होंने कहा कि ऐसी ही बातें न्यूज चौनल वाले उनके बारे में चला रहे हैं, जो बहुत ज्यादा गलत है। लोग आज–कल व्यूज पाने के लिए कुछ भी बातें करने लग जाते हैं। भारती ने कहा है जो लोग ऐसी बातें करते हैं, वो बहुत ही फनी हैं, आप लोगों की ऐसी हरकतों की वजह से मुझे बहुत हंसी आती है। इसी के साथ भारती ने ट्रोलर्स को जवाब देते हुए कहा है कि अलग ! शायद हम मर के भी अलग न हों। हम हमेशा से ही साथ थे और रहेंगे।

क्यों सीक्वल और फ्रेंचाइज फिल्मों का बढ़ा चलन ? 'कॉकटेल 2' के लेखक ने बताया मेकर्स को होता है क्या फायदा

शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना की आगामी फिल्म 'कॉकटेल 2' रिलीज से पहले चर्चाओं में बनी हुई है। यह फिल्म साल 2012 में आई सैफ अली खान, दीपिका पादुकोण और डायना पेंटी की इसी नाम की फिल्म का सीक्वल है। हालांकि, इस बार कहानी एक दम अलग और नई बताई जा रही है। इस बीच फिल्म के को–राइटर तरुण जैन ने बॉलीवुड में फ्रेंचाइज फिल्मों के बढ़ते चलन और पुरानी आलोचनाओं पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने बताया कि आखिर क्यों मेकर्स सीक्वल और फ्रेंचाइज फिल्मों को बढ़ावा दे रहे हैं। वैरायटी इंडिया के साथ बातचीत के दौरान तरुण जैन ने कहा कि यह चलन केवल सेफ खेलने के चलते नहीं है। उन्होंने कहा कि एक सेट और सफल आईपी के साथ मेकर्स को फ्री मार्केटिंग मिलती है। एक ऐसा ब्रांड जिसे दर्शक पहचानते हैं और उस फिल्म से जुड़ते हैं, जिसे उन्होंने पहले पसंद किया था। यही कारण है कि आप बहुत सारी फ्रेंचाइज फिल्में देखते हैं, जो जरूरी नहीं कि सच्ची सीक्वल हों। इसलिए भले ही ऐसा लग रहा हो कि फिल्ममेकर्स एक सेफ ऑप्शन की ओर भाग रहे हैं या उनके पास नए आइडियाज की कमी हो रही है, लेकिन इसकी असलियत कुछ और है। 2012 में आई श्कॉकटेलश की कहानी इम्तियाज अली ने लिखी थी, जबकि इस बार सेकंड पार्ट की कहानी तरुण जैन और लव रंजन ने मिलकर लिखी है। ऐसे में इम्तियाज की जगह लेना और उन्हें रिप्लेस करने के सवाल पर तरुण ने कहा कि अगर मुझसे पूछा जाए कि क्या मैं डरा हुआ था? तो मैं कहूंगा नहीं। मेरे पसंदीदा फिल्ममेकर्स में से एक ने इसकी असली कहानी लिखी थी। इस बात ने मुझे काम पर ध्यान केंद्रित करने और खुद को संतुष्ट होने में मदद की। चुनौती ऐसे किरदारों और उनके संघर्षों को ढूंढना था, जो रिलिवेंट रहते हुए ओरिजिनल फिल्म के इमोशन को भी बनाए

रखें। यह एक ऐसी चुनौती है, जिसका सामना कोई भी स्वाभाविक रूप से तब करता है जब वह इस तरह की फ्रेंचाइजी का हिस्सा होता है। लेकिन यह काफी मजेदार और रोमांचक था। होमी अदजानिया द्वारा निर्देशित कॉकटेल 2 में शाहिद कपूर, रश्मिका मंदाना और कृति सैनन मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म में डिंपल कपाडिया, रोहित सराफ और इशिता दत्ता अहम किरदारों में नजर आएंगे। होमी ने ही 'कॉकटेल' का निर्देशन किया था। 'कॉकटेल 2' 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। अभी फिल्म के दो गाने जारी किए गए हैं, जिन्हें फैंस से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है।

कान्स 2026 में जैकलीन फर्नांडिस की दमदार एंट्री, पहले लुक ने लूटी महफिल

जैकलीन फर्नांडिस आधिकारिक तौर पर कान्स पहुंच चुकी हैं और हमेशा की तरह उनकी पहली झलक बेहद शानदार रही। प्रतिष्ठित मिरेकल्स गाला में अपनी दमदार मौजूदगी दर्ज कराते हुए जैकलीन ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह भारत की सबसे कॉन्स्टेंट ग्लोबल फैशन आइकॉन्स में से एक क्यों हैं। इस खास शाम के लिए जैकलीन ने कैरोलिन कूट्योर की शानदार ब्लैक मिनी ड्रेस पहनी, जिसमें एलिगेंस और मॉडर्न ग्लैमर का परफेक्ट मेल देखने मिला। स्ट्रैपलेस सिल्हूट वाली इस ड्रेस में खूबसूरत टेक्सचर्ड डिटेलिंग थी, जिसने पूरे लुक को रिच और स्टाइलिश बनाया। ड्रेस का फिटेड डिजाइन उनकी पर्सनैलिटी को खूबसूरती से उभार रहा था, वहीं इसकी छोटी हेमलाइन ने इस क्लासिक कूट्योर लुक में बोल्ड और यूथफुल टच जोड़ दिया। अपने इस लुक को और खास बनाते हुए जैकलीन ने चोपार्ड की शानदार ज्वेलरी पहनी, जिसने उनके पूरे अंदाज में क्लासी और लग्जरी टच जोड़ दिया। डायमंड्स ने उनके ऑल ब्लैक लुक को और भी ग्लैमरस बना दिया, जिससे उनका रेड कार्पेट अपीयरेंस बेहद शानदार नजर आया। मिरेकल्स गाला, जो कान्स फिल्म फेस्टिवल की सबसे एक्सक्लूसिव शामों में से एक माना जाता है, में बेला हदीद, डेमी मूर और एड्रियाना लीमा जैसे कई ग्लोबल सितारे शामिल हुए। ऐसे बड़े इंटरनेशनल नामों के बीच जैकलीन फर्नांडिस इस साल इस खास इवेंट में शामिल होने वाली इकलौती भारतीय सेलिब्रिटी बनकर उभरीं। इस गाला में कैरोलिन के कूट्योर 2026 कलेक्शन के साथ चोपार्ड की नई रेड कार्पेट हाई ज्वेलरी कलेक्शन भी पेश की गई, जिसकी वजह से यह इस साल कान्स की सबसे चर्चित फैशन इवनिंग्स में से एक बन गई। ऐसे एक्सक्लूसिव ग्लोबल मंच पर जैकलीन की मौजूदगी उनके बढ़ते इंटरनेशनल प्रभाव को और मजबूत करती है और यह साबित करती है कि वह एक होमग्रोन स्टार के तौर पर दुनिया भर में अपनी खास पहचान बना रही हैं। पिछले कई सालों में जैकलीन ने ग्लोबल प्लेटफॉर्म्स पर अपने यादगार फैशन मोमेंट्स से एक अलग पहचान बनाई है और कान्स में उनका यह अपीयरेंस भी उसी का एक और शानदार उदाहरण है। उनके फैशन चॉइसेस हमेशा कॉन्फिडेंस, सोफिस्टिकेशन और इंटरनेशनल रेड कार्पेट स्टाइल की बेहतरीन समझ को दिखाते हैं। आउटफिट से आगे बढ़कर, जैकलीन की सबसे खास बात उनका शानदार ऑरा है, जो हर अपीयरेंस को और भी यादगार बना देता है। उनका कॉन्फिडेंस, दमदार मौजूदगी और सहज ग्लैमर हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच लेता है। बॉलीवुड स्टार से लेकर ग्लोबल फैशन फेवरेट बनने तक, जैकलीन हर इंटरनेशनल अपीयरेंस के साथ और भी ज्यादा चमकती नजर आ रही हैं। अगर कोई कान्स में अपना जलवा दिखा सकता है, तो वह जैकलीन हैं।

शिवालिका ने किया बेटी का नामकरण, अक्षय तृतीया पर जन्मी बेटी को दिया यह खास नाम

निर्देशक अभिषेक पाठक और उनकी पत्नी, एक्ट्रेस शिवालिका ओबेरॉय एक महीने पहले ही बेटी के पैरेंट्स बने हैं। कपल ने अपनी प्यारी बेटी के नाम की जानकारी भी फैंस के साथ साझा कर दी है। अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में शिवालिका ने इस नाम का मतलब भी बताया। अपना मदरहुड एंजॉय कर रहीं शिवालिका ओबेरॉय ने अपनी बेटी का नाम आरीका रखा है। अपने सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने लिखा, हमारे जीवन का सबसे बड़ा आशीर्वाद हमारी बेटी है, जिसका आज हम परिचय करवा रहे हैं। आरीका पाठक, यह नाम माता लक्ष्मी से जुड़ा हुआ है। जिसका मतलब धन, समृद्धी से है। क्योंकि उसका जन्म अक्षय तृतीया पर हुआ है यह अपने आप में एक संयोग है। हमारी बेटी का होना हमारे लिए सपने के सच होने जैसा है। दृश्यम 3 के निर्देशक अभिषेक पाठक और उनकी पत्नी, एक्ट्रेस शिवालिका ओबेरॉय 19 अप्रैल को एक प्यारी सी बेटी के माता –पिता बने थे। जिसके बाद यह खुशखबरी भी उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस के साथ शेयर की थी। कपल पहली बार खुदा हाफिज के सेट पर मिले थे जिसके बाद दोनों एक दूसरे के करीब आए। अपने रिश्ते को आगे ले जाते हुए इन्होंने फरवरी 2023 को गोवा में शादी की थी। निर्देशक अभिषेक पाठक जल्द ही रेड 3 और शैतान की अगली कहानी पर काम कर रहे हैं। एक बातचीत में उन्होंने रहा था कि शैतान की कहानी पर अभी काम चल रहा है।

ग्लोई स्किन के लिए बेस्ट है शहद से बना ये फेस पैक, बदल जाएगी चेहरे की रंगत

शहद एक ऐसी चीज है जिसका इस्तेमाल हम सदियों से करते चले आए हैं। इसे मधुमक्खियां फूलों के पराग को जमा करके और फिर इसमें एन्जाइम मिला कर तैयार करती हैं। ये एन्जाइम थेरेप्यूटिक और एंटी इनफ्लेमेट्री गुणों को शहद में डालती हैं, जिससे इसमें ब्यूटी बेनेफिट्स आ जाते हैं। बता दें कि शहद सेहत और त्वचा दोनों के लिए फायदेमंद होता है। बता दें कि त्वचा को ऑयल फ्री बनाए

रखने के लिए आप शहद बहुत कारगर है। तो चलिए जानते है इसे स्किन पर लगाने से क्या फायदे होते है।

स्किन को रखे ऑयल फ्री

त्वचा को ऑयल फ्री बनाए रखने के लिए के आप शहद का इस्तेमाल कर सकते है। अकसर देखा गया है कि ऑयली स्किन के कारण चेहरे पर गंदगी जम जाती है। इससे निजात पाने के लिए आप शहद की सहायता ले सकते है।

ऐसे करें तैयार

1 चम्मच कच्चे शहद में आधा चम्मच नींबू का रस मिलाएं।

2 अब अपने चेहरे को फेस वॉश की मदद से साफ कर लें।

3 शहद के इस पेस्ट को पूरे चेहरे पर लगाएं और हल्के हाथों से मसाज करें।

4 कुछ देर बाद स्किन को साफ कर लें और तौलिया की मदद से पोंछ लें।

5 अब अपनी त्वचा पर तौलिया को ब्लॉट करें।

आपकी त्वचा कभी नहीं होगी रूखी

शहद में मॉइश्चराइजिंग गुण पाए जाते हैं, जो त्वचा का रूखापन कम करने में मददगार है। इसलिए आपको किसी क्रीम के बजाय अपने स्किन केयर रूटीन में शहद को शामिल करना चाहिए।

ऐसे करें तैयार

1सबसे पहले एक पके केले को मैश करें और इसमें 1 चम्मच शहद के साथ 1 चम्मच नींबू का रस मिलाएं।

2 इसके बाद इस मास्क को अपने चेहरे पर लगाएं।

3 ध्यान रहे चेहरे पर मास्क लगाने से पहले स्किन साफ होनी चाहिए।

4 फेस वॉश करने के बाद त्वचा पर शहद से बने इस मास्क का इस्तेमाल करें और त्वचा को क्लीन करें।

ग्लोइंग स्किन के लिए

ग्लोइंग स्किन के लिए भी आप शहद का इस्तेमाल कर सकती हैं। शहद की मदद से त्वचा को एक्सफोलिएट करें। शहद से स्क्रब बनाना बेहद आसान है।

ऐसे करें तैयार

1 एक चम्मच शहद में 2 चम्मच बेसन के साथ चीनी और पानी मिलाएं।

2 अब इसे अच्छे से मिक्स कर लें।

3 फिर इस तैयार किए स्क्रब को अपने चेहरे पर लगाएं।

ये भी जान लें

1 ध्यान रहे चेहरे पर ब्लैकहेड्स रिमूव करने के लिए भी शहद से मास्क बना सकती हैं।

2 सोने से पहले चेहरे पर शहद लगाने से आपकी स्किन ग्लो करने लगेगी।

3 फटे होंठो के लिए भी आप शहद का इस्तेमाल कर सकती हैं।

गर्मियों में दुल्हन शादी से पहले अपनाएं ये 3 स्किनकेयर ट्रीटमेंट, मिलेगा परफेक्ट ग्लो

गर्मियों में शादी करना किसी जंग लड़ने से कम नहीं होता, क्योंकि तेज धूप और उमस के कारण पसीना लगातार आता रहता है। कई बार इतना पसीना हो जाता है कि मेकअप भी खराब होने लगता है और पूरे लुक पर असर पड़ता है। ऐसे मौसम में शादी करने वाली दुल्हनों के लिए त्वचा की देखभाल और भी ज्यादा जरूरी हो जाती है। सही स्किनकेयर रूटीन और प्रोफेशनल ट्रीटमेंट की मदद से त्वचा को शादी के दिन तक ग्लोइंग, फ्रेश और हेल्दी बनाए रखा जा सकता है।

गर्मियों में स्किन को क्यों चाहिए खास देखभाल?

गर्मी के मौसम में त्वचा लगातार धूप और उमस के संपर्क में रहती है, जिससे स्किन जल्दी डिहाइड्रेट हो जाती है। पसीना और एयर कंडीशनिंग दोनों मिलकर त्वचा की नमी को कम कर देते हैं। नतीजतन चेहरा बेजान और थका हुआ दिखने लगता है, और मेकअप भी ज्यादा देर तक टिक नहीं पाता। इसलिए गर्मियों में सही स्किन ट्रीटमेंट बेहद जरूरी माना जाता है।

शादी से पहले अपनाएं ये 3 स्किनकेयर ट्रीटमेंट

हाइड्रेटिंग स्किन बूस्टर

हाइड्रेटिंग स्किन बूस्टर ट्रीटमेंट त्वचा को अंदर से हाइड्रेट करने में मदद करता है। इसमें हायलूरोनिक एसिड आधारित तकनीक का उपयोग किया जाता है, जो त्वचा में नमी बनाए रखता है। इससे स्किन स्मूद, सॉफ्ट और नेचुरल ग्लो वाली दिखाई देती है। यह मेकअप को भी लंबे समय तक टिकाने में मदद करता है।

लेजर ट्रीटमेंट

लेजर स्किन रिसर्फेसिंग त्वचा की कई समस्याओं जैसे मुंहासों के निशान, डलनेस और असमान स्किन टोन को सुधारने में मदद करता है। यह ट्रीटमेंट त्वचा की ऊपरी परत को बेहतर बनाकर उसे ज्यादा साफ, टाइट और फ्रेश दिखाता है। शादी की तस्वीरों में इसका असर साफ नजर आता है।

जेंटल केमिकल पील

गर्मी में टैनिंग और पिगमेंटेशन आम समस्या है। जेंटल केमिकल पील के जरिए डेड स्किन हटाकर नई और चमकदार त्वचा को सामने लाया जाता है। यह बिना ज्यादा रगड़ या स्क्रबिंग के स्किन को साफ और ब्राइट बनाता है।

शादी से पहले कब शुरू करें स्किनकेयर?

विशेषज्ञों के अनुसार, ब्राइडल स्किनकेयर की शुरुआत शादी से कम से कम 2ृ3 महीने पहले करनी चाहिए। साथ ही पर्याप्त पानी पीना, हेल्दी डाइट लेना और अच्छी नींद लेना भी जरूरी है, क्योंकि अंदर से हेल्दी शरीर ही बाहर से ग्लोइंग स्किन देता है।

गर्मियों में त्वचा का ध्यान कैसे रखें?

हल्के और हाइड्रेटिंग स्किनकेयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करें

रोजाना सनस्क्रीन लगाएं

स्किन को जरूरत से ज्यादा न धोएं या एक्सफोलिएट करें

पर्याप्त पानी पिएं और हेल्दी खाना खाएं।

अगर सही समय पर स्किनकेयर शुरू किया जाए और सही ट्रीटमेंट चुना जाए, तो गर्मियों में भी त्वचा को ग्लोइंग, फ्रेश और शादी के लिए परफेक्ट बनाया जा सकता है।

बच्चों से बातचीत करने से बढ़ती है उनकी क्रेटिविटी और कॉन्फिडेंस...स्टडी में हुआ खुलासा

ये अध्ययन इंग्लैंड के नार्विच स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ ईस्ट एंग्लिया के शोधकर्ताओं ने किया। उन्होंने बताया कि ढाई साल के जिन बच्चों ने रोजमर्रा की जिंदगी में ज्यादा भाषण सुना, उनके दिमाग में मायेलिन नाम का पदार्थ पाया गया। ये पदार्थ भाषा संबंध क्षेत्रों के संकेतों को ज्यादा कुशल बनाने में मददगार होता है। शोधकर्ता प्रोफेसर जॉन स्पेंसर ने कहा, शुरू के दो साल में बच्चों का दिमाग तेजी से विकसित होता है। इन दो सालों तक दिमाग वयस्क मस्तिष्क की मात्रा के 80 फीसदी तक होता है।

क्या है मायेलिन

प्रोफेसर जॉन का कहना है कि मायेलिन प्रोटीन और वसायुक्त पदार्थों से बना होता है और दिमाग में नसों के चारों ओर एक इन्सुलेट परत बनाता है। यानी एक नली का पाइप जैसा, जिसमें कई छेद होते हैं। यह मायेलिन इन पाइपों पर रहते हैं। ये दिमाग के तंतुओं को अलग करता है। जिससे मस्तिष्क में अन्य सिग्नल तेजी से प्रवेश करते हैं। क्षतिग्रस्त होने पर अवेग की क्रिया धीमी होती है।

ऐसे निकाला निष्कर्ष

अध्ययन के दौरान 163 शिशुओं और बच्चों को शामिल किया। इन्हें तीन दिनों तक पहनने के लिए छोटे रिकॉर्डिंग वाले उपकरण दिए गए। फिर लगभग 6 हजार घंटे के भाषा डाटा का विशेलेषण किया गया। इसमें बच्चों द्वारा बोले गए शब्दों के साथ–साथ वयस्कों के भाषण भी शामिल थे। जब बच्चे सो रहे थे, तब शोधकर्ताओं ने उनके दिमाग में मायेलिन को मापने के लिए एमआरआई स्कैनर में रखा।

6 महीने के शिशुओं में भी मिला जुड़ाव

प्रो स्पेंसर का कहना है कि शोध में पाया कि जिन बच्चों ने अपने दौनिक वातावरण में ज्यादा भाषण सुनना प्रांरभिक विकास में मस्तिष्क संरचना से जुड़ा हुआ है। इस दौरान 4 से 6 साल के बच्चों में एक समान जुड़ाव दिखाया था। वहीं 6 महीने के शिशुओं में भाषा इनपुट और मस्तिष्क संरचना के बीच जुड़ाव भी पाया। दूसरों शब्दों में शुरूआती विकास में बच्चों से बात करना महत्वपूर्ण है, क्योंकि ये मस्तिष्क को आकार देने में मदद करता है।

इन तरीकों को भी आजमाएं

खेल के दौरान करें बातचीत।

हाव–भाव और तस्वीरों का करें इस्तेमाल।

बच्चों की बातों को ध्यान से सुनें।

गलत करने पर सही तरीके से समझाएं।

बात के दौरान जल्दबाजी न करें।

घटित हो रही घटनाओं पर भी बात करें।

गीत–संगीत या ध्वनि का भी इस्तेमाल करें।

3 साल में बढ़ता है एक महीना, मलमास में बच्चों को जरूर बचाएं बुरी नजरों से

17 मई से मलमास शुरू हो गया है। मलमास (जिसे अधिक मास या पुरुषोत्तम मास भी कहा जाता है) हिंदू कैलेंडर में हर तीसरे वर्ष जुड़ने वाला एक तेरहवां अतिरिक्त महीना है। यह चंद्रमा और सूर्य की गति के बीच संतुलन बनाने के लिए होता है। हिंदू धर्म में मलमास के दौरान कोई भी शुभ और मांगलिक कार्य नहीं किए जाते हैं। इस दौरान विवाह, मुंडन, जनेऊ और गृह प्रवेश जैसे सभी तरह के मांगलिक और शुभ कार्यों पर पूरी तरह से रोक लग जाती है।

किसे कहते हैं मलमास

सौर वर्ष 365 दिन और लगभग 06 मिनट का होता है और चंद्र वर्ष 354 दिनों का होता है। इस प्रकार सौर और चंद्र दोनों वर्षों में 11 दिन, 1 घंटा, 31 मिनट और 12 सेकंड का अंतराल होता है। जैसे–जैसे यह अंतर हर साल बढ़ता जाता है, यह तीन साल से एक महीने तक चला जाता है, जिसे अधिक मास या मल मास कहा जाता है।

मलमास में बच्चों की नजर उतारने के लिए करें ये उपाय

काला टीका या धागा: बच्चों के माथे, कान के पीछे या पैर के तलवे पर काजल का हल्का टीका लगाएं। बुरी नजर से बचाने के लिए उनके हाथ या पैर में काला धागा भी बांधा जाता है।

नजर बट्टू: बच्चों के पालने या उनके कमरे में नजर से बचाने वाला नीला बीड लटकाएं। यह सभी नकारात्मक ऊर्जाओं को सोख लेता है।

नमक का उपाय: एक चुटकी नमक को बच्चे के सिर के ऊपर से 7 बार घड़ी की दिशा में घुमाकर वॉशबेसिन या टॉयलेट में बहा दें। इससे बुरी नजर का प्रभाव खत्म हो जाता है।

हनुमान चालीसा का पाठ: प्रतिदिन बच्चे के पास बैठकर हनुमान चालीसा का पाठ करें या हनुमान जी की मूर्ति का थोड़ा सा सिंदूर उनके माथे पर लगाएं।

अधिक मास में पाठ–पूजा का फल

इस मास में दान–पुण्य करने का फल अक्षय होता है, यदि दान संभव न हो तो ब्राह्मणों और संतों की सेवा श्रेष्ठ मानी गई है। इस दौरान दान में खर्च किया गया धन कम नहीं होता। जिस प्रकार एक छोटे से बट के बीज से विशाल वृक्ष उत्पन्न होता है, उसी प्रकार मल मास में किया गया दान सदा फलदायी सिद्ध होता है। इस पूरे महीने में भगवान विष्णु के पुरुषोत्तम रूप की पूजा करें। इसके अलावा महामृत्युंजय मंत्र का जाप करें।

संक्षिप्त

वनडे में 4 और टेस्ट में सात खिलाड़ी जीटी के सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस

मुंबई,एजेंसी। आईपीएल 2026 का रोमांच फैंस के सिर चढ़कर बोल रहा है। लीग अपने अंतिम दौर में है। हालांकि, इस लीग से ज्यादा चर्चा फिलहाल मंगलवार को अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज के लिए चुनी गई भारत की वनडे और टेस्ट टीमकी हो रही है। दोनों टीमों में गुजरात टाइटंस के खिलाड़ियों की बड़ी संख्या में मौजूदगी ने सोशल मीडिया पर नई बहस छेड़ दी है। दरअसल, भारत को अफगानिस्तान के खिलाफ जून में एकमात्र टेस्ट और तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलनी है। एकमात्र टेस्ट विश्व टेस्ट चौंपियनशिप का हिस्सा नहीं होगा और यह मुकाबला छह जून से खेला जाएगा। इसके बाद तीन मैचों की वनडे सीरीज की शुरुआत 14 जून से होगी। फिर 17 और 20 जून को दो और वनडे मुकाबले खेले जाएंगे। भारत की वनडे टीम में गुजरात टाइटंस से जुड़े चार खिलाड़ियों को जगह मिली है, जबकि टेस्ट स्क्वॉड में ऐसे खिलाड़ियों की संख्या सात तक पहुंच गई। इसके बाद कई फैंस और क्रिकेट पेजों ने इसे नई गुजरात टाइटंस लॉबीश कहना शुरू कर दिया है। सोशल मीडिया पर तुलना सीधे पुरानी मुंबई लॉबी या श्दिल्ली लॉबीश से की जा रही है, जिसकी चर्चा भारतीय क्रिकेट में वर्षों से होती रही है। अफगानिस्तान के खिलाफ चुनी गई वनडे टीम में गुजरात टाइटंस से कप्तान शुभमन गिल के अलावा वॉशिंगटन सुंदर, प्रसिद्ध कृष्णा और गुरनूर बराड़ जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। वहीं टेस्ट टीम में कप्तान शुभमन गिल के अलावा साई सुदर्शन, मोहम्मद सिराज, वॉशिंगटन सुंदर, प्रसिद्ध कृष्णा, मानव सुथार और गुरनूर बराड़ को मौका मिला है और ये सभी गुजरात टाइटंस की टीम में शामिल हैं। फैंस का कहना है कि जीटी के कई खिलाड़ियों ने पिछले दो सीजन में घरेलू क्रिकेट और आईपीएल दोनों में शानदार प्रदर्शन किया है। खासकर शुभमन गिल, साई सुदर्शन और प्रसिद्ध कृष्णा लगातार भारतीय टीम के प्लान का हिस्सा रहे हैं। फैंस का कहना है कि अगर खिलाड़ी प्रदर्शन कर रहे हैं तो किसी फ्रेंचाइजी से जुड़े होने पर सवाल नहीं उठने चाहिए। वहीं, कुछ यूजर्स ने मीम्स और प्रतिक्रियाओं की बाढ़ ला दी। कई यूजर्स ने लिखा कि श्मुंबई लॉबी खत्म, अब गुजरात लॉबी शुरू। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि अफगानिस्तान सीरीज में ये खिलाड़ी अपने प्रदर्शन से चयन को सही साबित कर पाते हैं या नहीं।

बाजार में आएगा रूस का तेल पर चुकानी होगी ऊंची कीमत

नई दिल्ली,एजेंसी। दुनियाभर में तेल की ऊंची कीमतों से निपटने के लिए अमेरिका ने रूसी तेल खरीदने की मंजूरी एक महीने और बढ़ा दी है। अमेरिका के वित्त विभाग के दस्तावेजों के मुताबिक, यह अनुमति उन रूसी पेट्रोलियम उत्पादों पर लागू होगी, जो इस समय जहाजों पर लादे जा चुके हैं। अमेरिका के इस कदम से भारत सहित अन्य देशों को समुद्र में फंसे रूसी तेल खरीदने की अनुमति मिलेगी, लेकिन इसके लिए ऊंची कीमत चुकानी होगी। सीबीएस न्यूज के मुताबिक, वर्तमान में दुनियाभर के समुद्रों में करीब 12.4 करोड़ बैरल रूसी तेल मौजूद है। रूसी तेल से आपूर्ति जरूर बढ़ेगी, लेकिन कीमतों पर ज्यादा फर्क नहीं पड़ेगा। समुद्रों में रूस का 12 करोड़ बैरल तेल मौजूद है, लेकिन यह तेल की महज एक दिन की वैश्विक मांग (10.4 करोड़ प्रतिदिन) से कम है। डच बैंक आईएनजी में कमोडिटीज स्ट्रेटेजी के हेड वारेन पैटरसन ने कहा, अमेरिका के इस कदम से आपूर्ति में रुकावट की पूरी भरपाई नहीं होगी।घ्तेल बाजार के लिए सिर्फ एक ही समाधान है...होर्मुज से आपूर्ति फिर से सुचारू रूप से शुरू हो। इस नए उपलब्ध रूसी तेल को खरीदने की सर्वाधिक संभावना भारत और अन्य एशियाई देशों की है। अमेरिकी वित्त विभाग ने कहा, इस अल्पकालिक छूट से रूस को कोई वित्तीय लाभ नहीं होगा, क्योंकि वह अपनी ऊर्जा का अधिकांश राजस्व पॉइंट ऑफ एक्सट्रैक्शन (जहां से तेल निकलता है) पर लगने वाले टैक्स से प्राप्त करता है। ईरान संकट शुरू होने के बाद रूसी तेल और ब्रेंट क्रूड के बीच कीमतों का अंतर अब काफी कम रह गया है। मंगलवार को रूसी उराल 101–102 डॉलर और ब्रेंट क्रूड 110 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। युद्ध से पहले फरवरी में रूसी उराल 55 डॉलर और ब्रेंट क्रूड का भाव 70 डॉलर के आसपास था। रूसी तेल और ब्रेंट क्रूड के बीच अंतर अब सिर्फ 8 डॉलर का रह गया है, जो युद्ध से पहले 15 डॉलर प्रति बैरल का था। इस तरह देखा जाए, तो रूसी तेल बाजार में आएगा तो, लेकिन पहले की तरह सस्ता नहीं मिलेगा। भारत को उम्मीद है कि जो अतिरिक्त रूसी तेल बाजार में उपलब्ध होगा, उसे खरीदा जा सकता है। इससे भारत और बाकी देशों को थोड़ी राहत मिल सकती है। इससे अल्पकालिक आपूर्ति का जोखिम कम होगा। रूस भारत के लिए सस्ते तेल का एक प्रमुख स्रोत बना हुआ है। यह छूट जब तक जारी रहेगी, तब तक रिफाइनरियां कम कानूनी जोखिमों के साथ मौजूदा व्यापार प्रवाह को बनाए रख सकेंगी। भारत यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहा है कि उसके पास जरूरतों के लिए पर्याप्त तेल हो। साथ ही, वह पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों से जुड़े नियमों का भी पालन कर रहा है। यह छूट भारत को उन प्रतिबंधों से सीधे टकराए बिना रूसी तेल खरीदना जारी रखने में मदद करेगी।

कमेंटेटर्स को दी नसीहत, बोले- क्रिकेट पर बात करें, निजी जिंदगी पर नहीं

जयपुर,एजेंसी। लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ शानदार जीत के बावजूद राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग काफी भावुक और आक्रामक अंदाज में नजर आए। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने उन कमेंटेटर्स और आलोचकों को करारा जवाब दिया, जो पिछले कुछ समय से उनकी निजी जिंदगी को लेकर लगातार टिप्पणी कर रहे थे। राजस्थान ने इस मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की और टीम अब प्लेऑफ में पहुंचने से सिर्फ एक कदम दूर है। हालांकि, रियान यह मैच नहीं खेल रहे थे। उनकी जगह यशस्वी जायसवाल टीम की कप्तानी कर रहे थे। लखनऊ के खिलाफ मैच में 15 वर्षीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने 38 गेंदों में 93 रन बनाकर सबका ध्यान खींचा और प्लेयर ऑफ द मैच बने। पराग ने युवा बल्लेबाज की जमकर तारीफ की, लेकिन बातचीत के दौरान उन्होंने अपने ऊपर हो रही निजी टिप्पणियों को लेकर भी खुलकर बात की। हाल ही में वेपिंग विवाद में घिरे पराग से पूछा गया कि वे आलोचनाओं को कैसे संभालते हैं। इस पर उन्होंने साफ कहा कि अब उन्हें समझ आ चुका है कि लोग हर हाल में बातें करेंगे। उन्होंने कहा, श्मैंने अब यह समझ लिया है कि मैं कुछ भी करूं, लोग बातें करेंगे। लेकिन मैंने यह भी सीखा है कि उन बातों का असर मेरे खेल, फॉर्म या मानसिकता पर नहीं पड़ना चाहिए। पराग ने सोशल मीडिया ट्रोल्स पर भी निशाना साधते हुए कहा कि कीबोर्ड वॉरियर्स का काम मैदान के बाहर तक ही सीमित होना चाहिए और खिलाड़ियों को अपने खेल पर ध्यान देना चाहिए।

राजस्थान कप्तान ने खास तौर पर कमेंट्री बॉक्स में बैठे विशेषज्ञों पर नाराजगी जताई। उनका मानना है कि खिलाड़ियों की निजी जिंदगी पर टिप्पणी करना गलत है। उन्होंने कहा, श्जब कोई टीम 75 या 80 रन पर ऑलआउट हो जाती है तो लोग कह देते हैं कि खिलाड़ियों को खेलना नहीं आता या वे खेलना ही नहीं चाहते। लेकिन उस मैच से पहले कई दिनों तक तैयारी होती है। हर टीम 220 या 250 रन बनाने की योजना बनाती है, लेकिन हर दिन सब कुछ सही नहीं होता। पराग ने आगे कहा, श्हम भी इंसान हैं और हमसे भी गलतियां होती हैं। मैं सिर्फ इतना कहना चाहता हूं कि कमेंटेटर्स क्रिकेट से प्यार करें और क्रिकेट पर ही बात करें। निजी जिंदगी या मैदान के बाहर की बातों को इसमें नहीं लाना चाहिए। इस जीत के बाद राजस्थान रॉयल्स अंक तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गई है। अब टीम का अगला मुकाबला मुंबई इंडियंस से होगा। अगर राजस्थान यह मैच जीत जाती है तो उसका प्लेऑफ में पहुंचना तय हो जाएगा। हालांकि हार की स्थिति में समीकरण थोड़ा जटिल हो सकते हैं। फिलहाल, टीम का आत्मविश्वास काफी ऊंचा नजर आ रहा है और कप्तान रियान पराग भी मैदान के अंदर और बाहर दोनों मोर्चों पर खुलकर अपनी बात रख रहे हैं।

बांग्लादेश ने किया क्लीन स्वीप: पाकिस्तानी कप्तान ने माना- टीम कमजोर है, कहा- टेस्ट क्रिकेट गलती माफ नहीं करता

सिलहट,एजेंसी। बांग्लादेश दौरे पर गई पाकिस्तान टीम को

दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 2–0 से हार का सामना करना पड़ा। ढाका टेस्ट 104 रन से गंवाने के बाद पाकिस्तान सिलहट टेस्ट भी 78 रन से हार गई। इस हार के बाद पाकिस्तान के कप्तान शान मसूद काफी निराश नजर आए और उन्होंने टीम की गलतियों को हार की बड़ी वजह बताया। मैच खत्म होने के बाद शान मसूद ने कहा, टहमसे बहुत सारी गलतियां हुईं। जब आप चौथी पारी में लगभग 360 रन बनाते हैं, तो उम्मीद करते हैं कि मैच आपके पक्ष में जाएगा। लेकिन पिछली तीन पारियों में हमने कई मौके गंवाए और हमें इस पर सोचने की जरूरत है। उन्होंने माना कि बांग्लादेश द्वारा दिया गया लक्ष्य आसान नहीं था, लेकिन पाकिस्तान बेहतर प्रदर्शन कर सकता था। मसूद ने कहा कि बांग्लादेश की पहली पारी में पाकिस्तान को मैच पर पकड़ बनाने का मौका मिला था।

एक समय बांग्लादेश के छह विकेट सिर्फ 116 रन पर गिर चुके थे, लेकिन इसके बाद टीम ने वापसी कर ली। उन्होंने कहा, आखिरी चार विकेटों ने काफी रन जोड़ दिए। हमने मौके गंवाए। बल्लेबाजी में भी जब हम चार विकेट पर 142 रन पर थे और दो सेट बल्लेबाज क्रीज पर थे, तब हमें बड़ी साझेदारी करनी चाहिए थी, लेकिन हम ऐसा नहीं कर सके। पाकिस्तान कप्तान का मानना है कि शुरुआती पारियों में हुई गलतियों का असर मैच के आखिरी दिनों में देखने को मिला। शान मसूद ने टेस्ट क्रिकेट की कठिनाई पर भी बात की।

उन्होंने कहा, श्टेस्ट क्रिकेट में आपकी किसी भी गलती की सजा मिलती है। यहां कोई आसान मैच नहीं होता। लगातार पांच दिन अच्छा क्रिकेट खेलना पड़ता है और यही सीख हमारी टीम को लेनी होगी। उन्होंने यह भी माना कि पाकिस्तान कई मैचों में अच्छी स्थिति में पहुंचने के बावजूद जीत हासिल नहीं कर पाया है। सिलहट टेस्ट में बांग्लादेश ने पहली पारी में 278 रन बनाए थे। जवाब में पाकिस्तान की टीम 232 रन पर सिमट गई। पहली पारी में बढ़त लेने के बाद बांग्लादेश ने दूसरी पारी में 390 रन बनाए और पाकिस्तान को 437 रन का लक्ष्य दिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान 358 रन पर ऑलआउट हो गई और 78 रन से मैच हार गई।

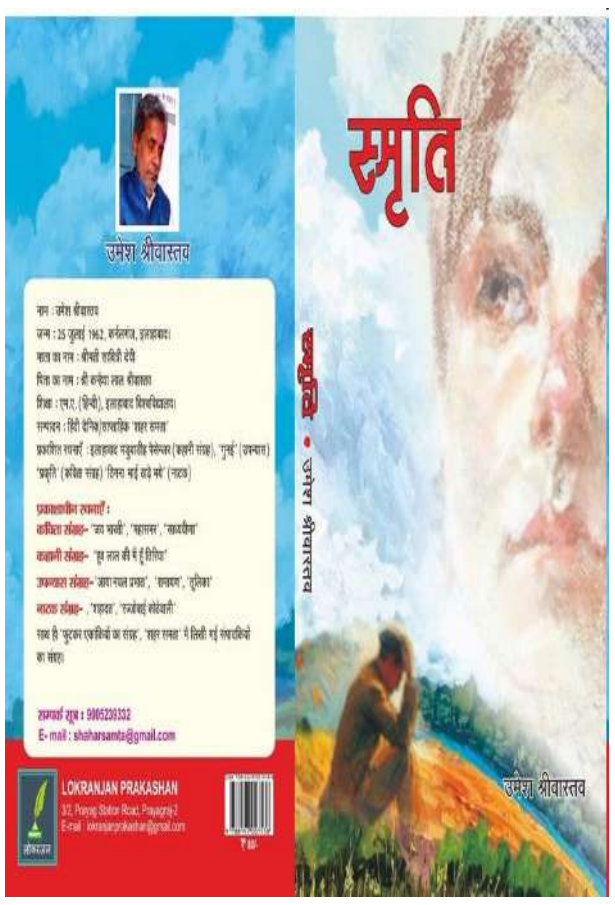

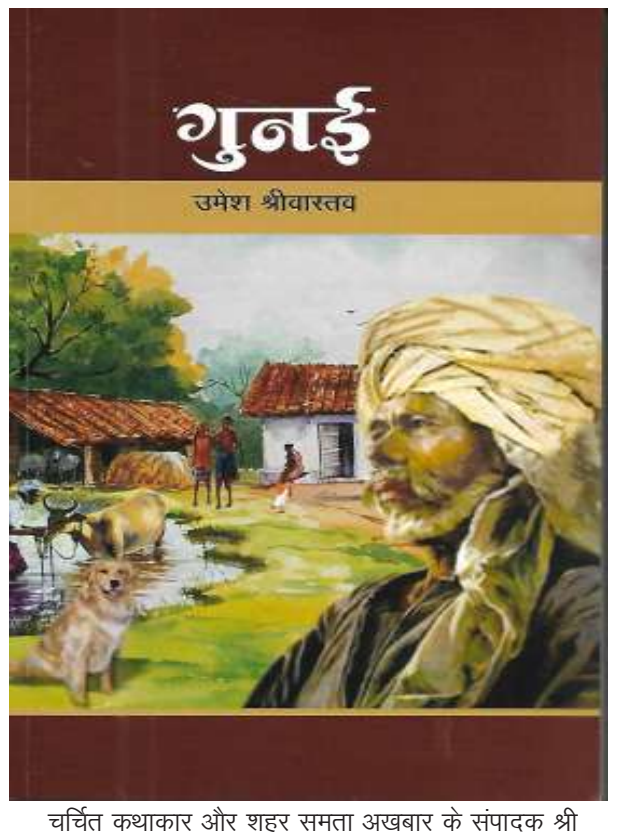

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

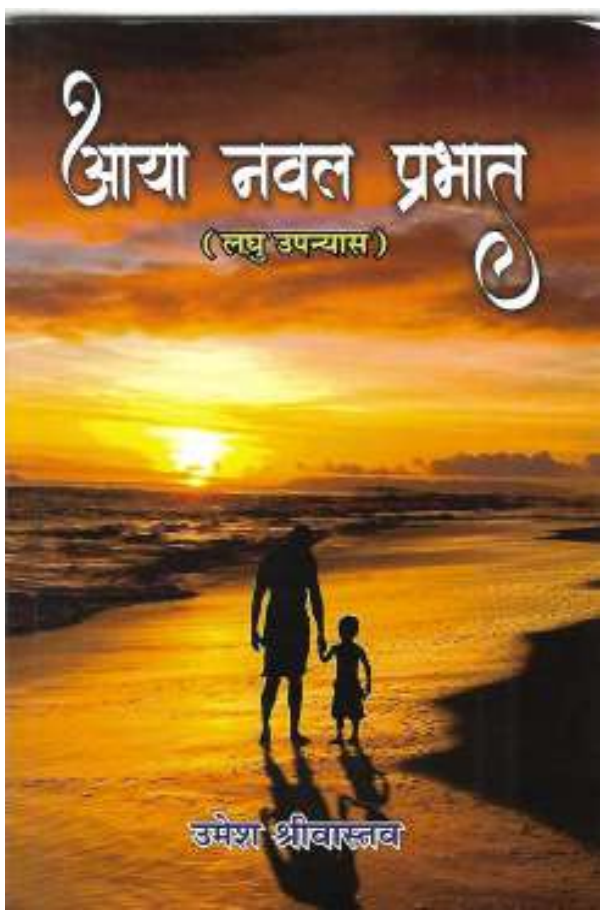

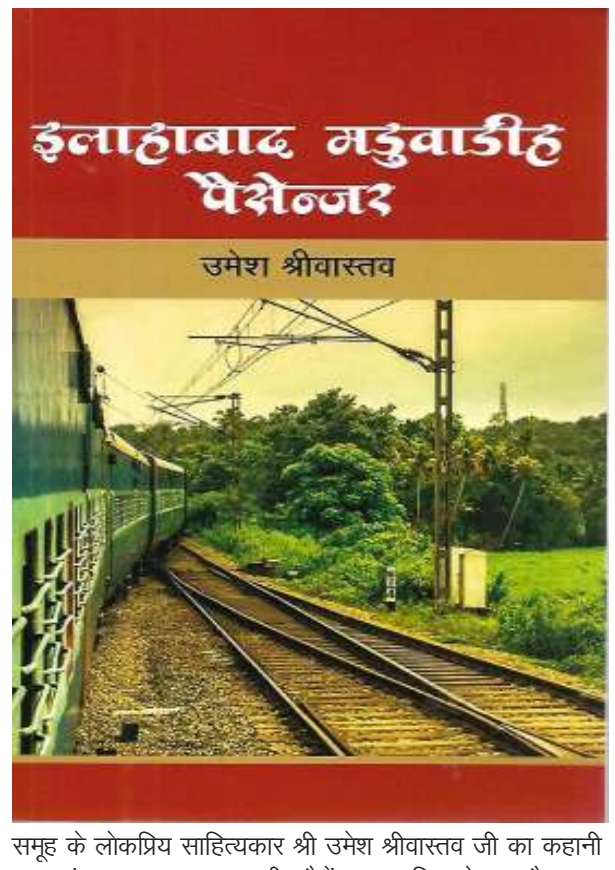

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

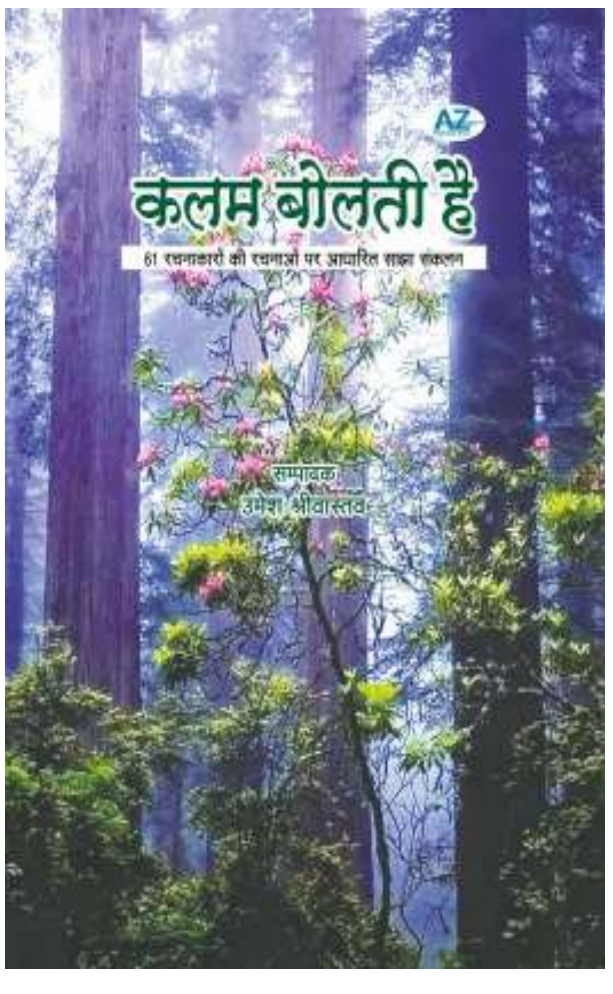

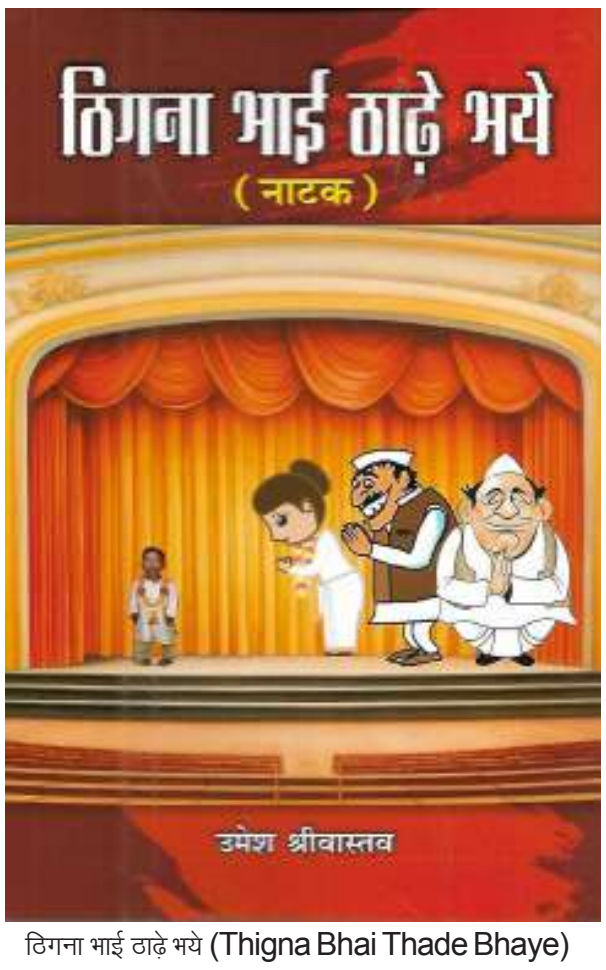

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

ईरान के खिलाफ युद्ध में अमेरिका को हुआ भारी नुकसान, 42 विमान और ड्रोन तबाह होने का दावा

वाशिंगटन,, एजेंसी। अमेरिका की ओर से 28 फरवरी से ईरान के खिलाफ शुरू किए गए ऑपरेशन एपिक फ्यूरी के दौरान कम से कम 42 सैन्य विमान क्षतिग्रस्त या नष्ट हो गए। यह जानकारी अमेरिकी कांग्रेस की रिसर्च एजेंसी कांग्रेसनल

रिसर्च सर्विस (CRS) की एक आधिकारिक रिपोर्ट में सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार, इन विमानों में लड़ाकू जेट, ड्रोन, हेलीकॉप्टर और एयर रिफ्यूलिंग एयरक्राफ्ट शामिल हैं। विमानों के नुकसान के आंकड़े में हो सकता है बदलाव रिपोर्ट में कहा गया है कि विमानों के नुकसान और क्षति के आंकड़े अभी संशोधित हो सकते हैं, क्योंकि कई जानकारियां गोपनीय श्रेणी में हैं, कुछ सैन्य गतिविधियां अब भी जारी हैं और नुकसान के आकलन की प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है। रिपोर्ट में क्या आया सामने? सीआरएस की रिपोर्ट के मुताबिक ऑपरेशन के दौरान जिन विमानों को नुकसान पहुंचा या जो नष्ट हुए, उनमें चार F–15E स्ट्राइक ईगल फाइटर जेट, एक F–35। लाइटनिंग II फाइटर एयरक्राफ्ट, एक A–10 थंडरबोल्ट II ग्राउंड अटैक एयरक्राफ्ट, सात KC–135 स्ट्रैटोटैंकर एयर रिफ्यूलिंग विमान, एक E–3 सेंट्री AWACS विमान, दो MC–130J कमांडो II स्पेशल ऑपरेशन एयरक्राफ्ट, एक HH–60W जॉली ग्रीन II हेलीकॉप्टर, 24 डफ–9 रीपर ड्रोन और एक डफ–4C ट्राइटन ड्रोन शामिल हैं। कांग्रेसनल रिसर्च सर्विस ने यह आंकड़े अमेरिकी रक्षा विभाग और अमेरिकी सेंट्रल कमांड के बयानों व मीडिया रिपोर्टों के आधार पर तैयार किए हैं। सीआरएस अमेरिकी कांग्रेस और उसकी समितियों को नीति और कानूनी मामलों पर विश्लेषण उपलब्ध कराती है। सैन्य अभियानों की लागत का अनुमान क्यों बढ़ा? इसी बीच, 12 मई को अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की विनियोग उपसमिति की सुनवाई के दौरान कार्यवाहक पेंटागन नियंत्रक जूल्स डब्ल्यू हर्स्ट III ने बताया कि ईरान में सैन्य अभियानों की लागत का अनुमान बढ़कर 29 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि लागत में इस बड़े इजाफे की प्रमुख वजह सैन्य उपकरणों की मरम्मत और उनके प्रतिस्थापन (रिप्लेसमेंट) का संशोधित आकलन है। हर्स्ट ने कहा कि इस वृद्धि का बड़ा हिस्सा उपकरणों की मरम्मत या उन्हें बदलने की लागत के अधिक सटीक अनुमान से आया है।

सात बार फेल होने के बाद मिली कामयाबी, सीनेट ने ट्रंप के युद्ध अधिकारों को सीमित करने का प्रस्ताव किया पास

वॉशिंगटन, एजेंसी। सात बार की लगातार नाकामी के बाद, आखिरकार अमेरिकी सीनेट ने मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के युद्ध अधिकारों को सीमित करने वाला एक अहम प्रस्ताव पास कर दिया है। यह प्रस्ताव खास तौर पर ईरान के खिलाफ किसी भी सैन्य कार्रवाई को रोकने के लिए लाया गया है। सीनेट का यह कदम ट्रंप प्रशासन के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है, क्योंकि अब राष्ट्रपति अपनी मर्जी से ईरान के खिलाफ युद्ध का ऐलान नहीं कर पाएंगे। सीनेट में इस प्रस्ताव पर वोटिंग हुई। इस प्रस्ताव के पक्ष में 50 वोट पड़े, जबकि विरोध में 47 वोट आए। सबसे हैरानी की बात यह रही कि मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप की अपनी रिपब्लिकन पार्टी के चार सांसदों (सीनेटरों) ने बगावत करते हुए विपक्षी पार्टी (डेमोक्रेट्स) का साथ दिया और प्रस्ताव के पक्ष में वोट किया। जिन चार रिपब्लिकन नेताओं ने ट्रंप के खिलाफ जाकर वोट किया, उनके नाम सुसान कोलिन्स, लिसा मुर्कोव्स्की, रैंड पॉल और बिल कैसिडी हैं। सीबीएस न्यूज के मुताबिक, डेमोक्रेटिक पार्टी द्वारा इस प्रस्ताव को पास कराने का यह आठवां प्रयास था, जो अब जाकर सफल हुआ है। इस प्रस्ताव को डेमोक्रेटिक पार्टी के सीनेटर टिम केन ने पेश किया था। इस प्रस्ताव का सीधा और साफ मतलब यह है कि मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप बिना संसद की मंजूरी के ईरान पर हमला नहीं कर सकते। प्रस्ताव में साफ लिखा है कि जब तक कांग्रेस (अमेरिकी संसद) की तरफ से आधिकारिक तौर पर युद्ध की घोषणा नहीं की जाती या सैन्य बल के इस्तेमाल की विशेष मंजूरी नहीं मिल जाती, तब तक राष्ट्रपति को अमेरिकी सेना को ईरान के खिलाफ किसी भी तरह की शत्रुता से दूर रखना होगा। यह कानून राष्ट्रपति की शक्तियों पर सीधा लगाम लगाता है। डेमोक्रेटिक नेताओं ने इस जीत पर क्या प्रतिक्रिया दी है? इस प्रस्ताव के पास होने के बाद डेमोक्रेटिक नेताओं में भारी उत्साह है। कैलिफोर्निया के डेमोक्रेट सीनेटर एडम शिफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर लिखा कि सीनेट के डेमोक्रेट्स ने एक बार फिर इस श्असंवैधानिक युद्धश को खत्म करने के लिए वोटिंग कराई है। उन्होंने रिपब्लिकन साथियों का धन्यवाद किया जिन्होंने संवैधानिक जिम्मेदारी निभाते हुए इस प्रस्ताव का समर्थन किया। वहीं, सीनेटर बर्नी सैंडर्स ने भी इस कदम का स्वागत करते हुए कहा कि अमेरिकी जनता अंतहीन युद्धों पर अरबों डॉलर खर्च नहीं करना चाहती। उन्होंने कहा कि जनता चाहती है कि हम देश के बड़े संकटों को सुलझाएं और इस असंवैधानिक युद्ध को तुरंत खत्म करें। मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान पर हमला क्यों रोका था?

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

ट्रंप के दौरे के बाद बीजिंग में शी–पुतिन की अहम बैठक, ईरान से लेकर यूक्रेन युद्ध तक कई मुद्दों पर चर्चा

बीजिंग,एजेंसी। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और उनके रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन ने बुधवार को बीजिंग में व्यापक वार्ता की। दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय संबंधों के साथ–साथ ईरान, यूक्रेन युद्ध, वैश्विक व्यापार और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। ट्रंप के दौरे के बाद हुई बैठक यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब कुछ ही दिन पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 14–15 मई को बीजिंग का दौरा किया था। ट्रंप और शी जिनपिंग के बीच भी ईरान, यूक्रेन युद्ध, व्यापारिक तनाव और क्षेत्रीय हालात को लेकर

लंबी बातचीत हुई थी। ऐसे में शी और पुतिन की यह मुलाकात वैश्विक राजनीति के लिहाज से बेहद अहम मानी जा रही है। बीजिंग स्थित ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में वार्ता से पहले शी जिनपिंग ने पुतिन का औपचारिक स्वागत किया। इसके बाद दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय बैठक हुई। पुतिन मंगलवार रात चीन पहुंचे थे, जहां उनका स्वागत चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने किया। पुतिन ने जारी किया वीडियो संदेश चीन रवाना होने से पहले जारी वीडियो संदेश में पुतिन ने कहा कि रूस और चीन के संबंध वास्तव में अभूतपूर्व स्तर पर पहुंच चुके हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व के बीच लगातार संपर्क द्विपक्षीय रिश्तों को और मजबूत करने व असीम संभावनाओं को खोलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। चीनी विदेश मंत्रालय ने क्या बताया? चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों नेता द्विपक्षीय सहयोग, विभिन्न क्षेत्रों में साझेदारी और अंतरराष्ट्रीय व क्षेत्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान–प्रदान करेंगे। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने बताया कि यह पुतिन की 25वीं चीन यात्रा है, जो बीजिंग और मॉस्को के करीबी रणनीतिक संबंधों को दर्शाती है। विशेषज्ञों के अनुसार, शी जिनपिंग और पुतिन की साझेदारी मौजूदा वैश्विक राजनीति की सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक साझेदारियों में से एक बन चुकी है। दोनों देश व्यापार, ऊर्जा, सुरक्षा और पश्चिमी प्रभाव को संतुलित करने के लिए लगातार सहयोग बढ़ा रहे हैं। पुतिन की यात्रा क्यों है अहम? पुतिन की यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ा हुआ है। ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकेबंदी और अमेरिका द्वारा ईरानी बंदरगाहों पर कार्रवाई के बाद वैश्विक चिंता बढ़ गई है। ईरान, रूस और चीन दोनों का करीबी रणनीतिक साझेदार माना जाता है। चीन अमेरिकी प्रतिबंधों के बावजूद ईरानी तेल का बड़ा आयातक बना हुआ है। पुतिन ने अपने संदेश में यह भी कहा कि रूस और चीन के बीच व्यापार 200 अरब डॉलर के आंकड़े को पार कर चुका है और अब अधिकांश व्यापार रूबल और युआन में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि रूस–चीन रणनीतिक साझेदारी वैश्विक स्थिरता में बड़ी भूमिका निभा रही है और दोनों देश संयुक्त राष्ट्र, शंघाई सहयोग संगठन (SCO) और BRICS जैसे मंचों पर सहयोग जारी रखेंगे।

कैलिफोर्निया मस्जिद हमले में तीन की मौत, हमलावरों ने ऑनलाइन दिए कट्टरपंथी बयान

एजेंसी/ कैलिफोर्निया की एक मस्जिद पर हुए हमले में तीन लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। अधिकारियों और हमलावरों के लेखों के अनुसार, दो किशोर हमलावर ऑनलाइन कट्टरपंथी बन गए थे, जहां वे पहली बार मिले और श्वेत वर्चस्ववादी विचारों को साझा किया। हमलावरों ने खुद को गोली मार ली। जांचकर्ताओं ने बताया कि हमलावरों ने किसी के लिए घृणा में भेदभाव नहीं किया। उनके लेखों में यहूदी लोगों, मुसलमानों और इस्लाम के साथ–साथ एलजीबीटीक्यू समुदाय, अश्वेत लोगों, महिलाओं और राजनीतिक वाम व दक्षिणपंथ के प्रति घृणित बयानबाजी शामिल थी। दोनों ने यह विश्वास व्यक्त किया कि श्वेत लोगों को खत्म किया जा रहा है। एक हमलावर ने मानसिक स्वास्थ्य संघर्षों और महिलाओं द्वारा अस्वीकृत किए जाने के बारे में भी लिखा था। हमलावरों की पहचान और कट्टरपंथ हमलावरों की पहचान 17 वर्षीय केन क्लार्क और 18 वर्षीय कैलेब वाजक्वेज के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, दोनों ने हमले के बाद खुद को गोली मार ली। एफबीआई के सैन डिएगो में प्रमुख एजेंट मार्क रेमिली ने बताया कि दोनों संदिग्ध ा ऑनलाइन मिले थे, जिसके बाद उन्हें पता चला कि वे दोनों सैन डिएगो क्षेत्र में रहते हैं। रेमिली ने कहा, कट्टरपंथ कैसे हुआ, हम अभी भी इसकी जांच कर रहे हैं। केन के लेखों

में मुसलमानों को खत्म करने का आह्वान किया गया था। इन दस्तावेजों में श्वेत वर्चस्ववादियों और नाजियों से जुड़े प्रतीक भी शामिल थे। दोनों ने खुद को टैरेंट के बेटे कहा, जो 2019 में न्यूजीलैंड के क्राइस्टचर्च में मस्जिदों पर हमला करने वाले श्वेत वर्चस्ववादी का स्पष्ट संदर्भ है, जिसमें 51 लोग मारे गए थे। पीड़ितों का बलिदान और हमला रोकने का प्रयास अधिकारियों ने मारे गए तीन पुरुषों की प्रशंसा की, जिनमें अमीन अब्दुल्ला नाम के एक सुरक्षा गार्ड भी शामिल था। इन पुरुषों ने सैन डिएगो के इस्लामिक सेंटर में हमलावरों को धीमा करके 140 स्कूली बच्चों को बचाने में मदद की, जो कुछ ही कदम दूर थे। इमाम ताहा हस्सान ने बताया कि अब्दुल्ला ने संदिग्धों के साथ गोलीबारी की और अपने रेडियो पर लॉकडाउन की घोषणा की। उन्होंने कहा कि अब्दुल्ला ने उन्हें कक्षाओं के अंदर जाने से रोकने के लिए अपने जीवन का बलिदान दिया। पुलिस प्रमुख स्कॉट वाहल ने बताया कि जब हमलावर इस्लामिक सेंटर पहुंचे और अंदर घुसने की कोशिश की, तो सुरक्षा गार्ड ने गोली चला दी। हमलावरों के लॉबी में घुसने पर गार्ड घायल हो गया, लेकिन वह उन पर गोली चलाता रहा, जिससे वे बाहर जाने को मजबूर हुए, जहां हमलावरों ने उसे गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद हमलावर वापस अंदर गए और लॉकडाउन के दौरान खाली किए गए कमरों की तलाशी ली। वे पार्किंग स्थल पर बाहर निकले, जहां उन्होंने मंसूर काजिहा और नादिर अवाद को गोली मारकर हत्या कर दी। वाहल ने कहा कि इन पुरुषों ने हमलावरों को इमारत से और दूर खींच लिया। अमेरिका में मुस्लिम विरोधी बयानबाजी बढ़ रही यह गोलीबारी पूजा स्थलों पर हमलों की एक श्रृंखला में नई है और मध्य पूर्व में युद्ध की शुरुआत के बाद से मुस्लिम और यहूदी समुदायों को निशाना बनाने वाले बढ़ते खतरों और घृणा अपराधों के बीच हुई है। मुस्लिम अमेरिकी संगठनों ने उल्लेख किया कि पूरे अमेरिका में मुस्लिम विरोधी बयानबाजी बढ़ रही है। इमाम हस्सान ने मंगलवार शाम एक प्रार्थना सभा में कहा कि मस्जिद और उसका समुदाय वर्षों से खतरों से अछूता नहीं रहा है। उन्होंने कहा, हमें कभी उम्मीद नहीं थी कि सैन डिएगो के इस्लामिक सेंटर में ऐसी चीजें होंगी। मेरा मतलब है कि हमें घृणित मेल, घृणित संदेश, लोगों द्वारा गाड़ी चलाकर गाली–गलौज की जा रही है। लेकिन ऐसे भयानक अपराध की हमने कभी उम्मीद नहीं की थी। अधिकारियों ने कहा कि इस्लामिक सेंटर के खिलाफ कोई विशिष्ट खतरा नहीं था, जो सैन डिएगो की सबसे बड़ी मस्जिद है और इसमें एक स्कूल भी है। हमलावरों के घर 30 बंदूकें, गोला–बारूद और एक क्रॉसबो मिले जांचकर्ताओं को सोमवार के हमले के बाद दो आवासों पर कम से कम 30 बंदूकें, गोला–बारूद और एक क्रॉसबो भी मिला। वे यह पता लगाने की कोशिश कर रहे थे कि हमलावरों की व्यापक योजनाएं क्या थीं। सैन डिएगो यूनिफाइड स्कूल डिस्ट्रिक्ट के प्रवक्ता जेम्स कैनिंग ने बताया कि क्लार्क 2021 से ऑनलाइन स्कूल में पढ़ रहा था और अगले महीने स्नातक होने वाला था। 2024 में, वह मैडिसन हाई स्कूल में कुश्ती टीम का सदस्य था। कैनिंग ने कहा कि क्लार्क का हाई स्कूल में अनुशासनात्मक मुद्दों का कोई रिकॉर्ड नहीं था। पड़ोसियों मार्ने और टेड सेलाया ने बताया कि उन्होंने क्लार्क को गोलीबारी से कुछ घंटे पहले आखिरी बार देखा था और वह अकेले कार में बैठकर जाते समय हाथ हिलाया था।

सत्ता बदलने की थी साजिश ?: अमेरिका–इस्राइल ने अहमदीनेजाद को ईरान की सत्ता सौंपने पर किया था विचार, बड़ा खुलासा

वॉशिगंटन, एजेंसी। अमेरिका और इस्राइल की ओर से ईरान में सत्ता परिवर्तन की कथित योजना को लेकर बड़ा खुलासा सामने आया है। द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान के पूर्व राष्ट्रपति महमूद अहमदीनेजाद को युद्ध के

बाद नई सरकार का चेहरा बनाने पर विचार किया गया था। यह दावा ऐसे समय में सामने आया है जब फरवरी में ईरान और इस्राइल के बीच हुए संघर्ष को लेकर कई नई जानकारियां सामने आ रही हैं। अमेरिका–इस्राइल को क्या उम्मीद थी? अमेरिकी अखबार द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका और इस्राइल के अधिकारियों ने युद्ध की रणनीति तैयार करते समय अहमदीनेजाद से संपर्क किया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि दोनों देशों के अधिकारियों को उम्मीद थी कि अगर ईरान की मौजूदा सत्ता कमजोर होती है तो अहमदीनेजाद नई राजनीतिक व्यवस्था में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

अहमदीनेजाद के आवास पर हमले को लेकर क्या दावा? रिपोर्ट के मुताबिक, युद्ध के पहले ही दिन इस्राइल ने तेहरान में स्थित अहमदीनेजाद के आवास पर हमला किया था। बताया गया कि यह हमला उन्हें कथित नजरबंदी से बाहर निकालने के उद्देश्य से किया गया था। हालांकि इस हमले में अहमदीनेजाद घायल हो गए। इसके बाद वह कथित तौर पर शासन परिवर्तन की योजना से निराश हो गए और उन्होंने इस प्रक्रिया से दूरी बना ली।

अहमदीनेजाद से अमेरिका–इस्राइल को क्या उम्मीदें थी द न्यूयॉर्क टाइम्स ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से कहा कि अहमदीनेजाद को ऐसे नेता के रूप में देखा जा रहा था जो ईरान की राजनीतिक, सामाजिक और सैन्य स्थिति को संभाल सकते थे। अखबार से बातचीत में अहमदीनेजाद के एक करीबी सहयोगी ने भी इस बात की पुष्टि की कि अमेरिका उन्हें भविष्य के संभावित नेता के रूप में देख रहा था। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अहमदीनेजाद को अमेरिका और इस्राइल की तरफ से ऐसे नेता के तौर पर देखा जा रहा था जो पश्चिमी देशों के साथ काम करने में सक्षम हो सकते हैं। हालांकि यह दावा काफी विवादास्पद माना जा रहा है क्योंकि अहमदीनेजाद अपने राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान अमेरिका और इस्राइल के सबसे बड़े आलोचकों में शामिल रहे हैं। कौन है महमूद अहमदीनेजाद? महमूद अहमदीनेजाद 2005 से 2013 तक ईरान के राष्ट्रपति रहे थे। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने कई बार इस्राइल विरोधी बयान दिए थे और इस्राइल को नक्शे से मिटाने जैसी टिप्पणी को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विवादों में रहे थे। लेकिन सत्ता से बाहर होने के बाद उन्होंने ईरानी नेतृत्व की आलोचना शुरू कर दी थी। उन्होंने सरकार पर भ्रष्टाचार और सत्ता के दुरुपयोग के आरोप लगाए थे। पिछले कुछ वर्षों में ईरानी सरकार ने उन्हें राजनीतिक रूप से हाशिये पर डाल दिया था। उन्हें बाद के राष्ट्रपति चुनाव लड़ने से भी रोक दिया गया था और रिपोर्टों के मुताबिक वह लंबे समय से सीमित राजनीतिक गतिविधियों के बीच रह रहे थे। रिपोर्ट में और क्या किया गया दावा? रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अमेरिका और इस्राइल की योजना केवल सैन्य कार्रवाई तक सीमित नहीं थी, बल्कि उनका लक्ष्य ईरान में नई राजनीतिक व्यवस्था स्थापित करना भी था। यही वजह थी कि वैकल्पिक नेतृत्व के तौर पर अहमदीनेजाद जैसे नेताओं पर विचार किया गया। रिपोर्ट में वेनेजुएला का भी उदाहरण दिया गया है। अहमदीनेजाद के करीबी सहयोगी ने दावा किया कि अमेरिका उन्हें वेनेजुएला की नेता डेल्सी रोड्रिगेज की तरह देख रहा था, जिन्होंने सत्ता परिवर्तन के बाद अमेरिका के साथ करीबी संबंध बनाए।

पाकिस्तानी सैन्य अधिकारी का झूठः जिन एयरबेस को तबाह करने का किया दावा, भारत में उनका वजूद ही नही, हो रही फजीहत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पिछले साल पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव काफी बढ़ गया था। भारत ने इसके जवाब में ऑपरेशन सिंदूर चलाया, जिसने पाकिस्तान को घुटनों पर ला दिया। वही, पाकिस्तान ने इस पर

पलटवार करने के लिए भारतीय शहरों और सैन्य ठिकानों पर ड्रोन और मिसाइल हमले किए, लेकिन वे नाकाम रहे। पाकिस्तान ने अपनी इस कार्रवाई को श्ऑपरेशन बुनियान उल मरसूसश नाम दिया। पाकिस्तान इस दौरान जम्मू–कश्मीर, पंजाब, राजस्थान और गुजरात की हवाई सीमाओं में घुसपैठ की कोशिश की। 10 मई 2025 को पाकिस्तानी सेना ने श्फतह–1श रॉकेट से हमला करने की कोशिश की। लेकिन भारत के एयर डिफेंस सिस्टम ने मुस्तैदी दिखाते हुए इसे हवा में ही नष्ट कर दिया।

अब, इस बीच सोशल मीडिया पर पाकिस्तानी सेना के एक अधिकारी का वीडियो खूब वायरल हो रहा है। कैप्टन मुनीब जमाल नाम का यह अधिकारी बड़े आत्मविश्वास से दावा कर रहा है कि 10 मई को उनकी मिसाइलों ने भारत के दो एयरबेस को सफलतापूर्वक निशाना बनाया। इंटरव्यू में अधिकारी ने कहा, हमें राजौरी और मामून एयरबेस को उड़ाने का लक्ष्य मिला था, जिसे हमने पूरा किया। लेकिन हकीकत इससे अलग है। दरअसल हकीकत यह है कि पाकिस्तानी अधिकारी जिन एयरबेस का जिक्र कर रहे हैं, उनका कोई वजूद ही नहीं है। राजौरी जम्मू–कश्मीर का एक जिला जरूर है, लेकिन वहां वायु सेना का कोई एयरबेस नहीं है। इसी तरह, मामून पंजाब के पठानकोट में मौजूद एक सैन्य छावनी है, वह कोई एयरबेस नहीं है। अधिकारी ने यह भी कहा कि मिसाइल दागने की तैयारी के समय वहां आम नागरिक मौजूद थे, जिससे सैनिकों का हौसला बढ़ा। इंटरनेट पर लोग इस दावे का जमकर मजाक उड़ा रहे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर एक यूजर ने लिखा कि भारतीय वायु सेना और गूगल मैप्स अब उन जादुई एयरबेस को खोजने के लिए संयुक्त अभियान चला रहे हैं। एक अन्य यूजर ने तंज कसते हुए लिखा, पाकिस्तान ने शायद इन ठिकानों को इतनी जोर से मारा कि वे नक्शे से ही मिट गए।

'ईरान हर हाल में चाहता है समझौता', ट्रंप बोले- जल्द खत्म होगी जंग, तेल की कीमतों पर भी कह दी ये बड़ी बात

वॉशिंगटन , एजेंसी। ट्रंप ने दावा किया है कि ईरान हर हाल में अमेरिका के साथ एक समझौता करना चाहता है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच चल रहा यह युद्ध बहुत ही जल्द खत्म हो जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने पूरी दुनिया को राहत देने वाली एक और बड़ी बात कही है। ट्रंप का कहना है कि आने वाले समय में दुनिया भर में कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट देखने को मिलेगी। यह बयान ऐसे समय में आया है जब पूरी दुनिया अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते की उम्मीद कर रही है और दोनों देशों के बीच कूटनीतिक बातचीत जारी है। मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने इस पूरी स्थिति को बहुत ही आसान भाषा में समझाया।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।